लखनऊ
रविवार, 6 सितंबर, 202
वर्ष : 12 । अंकः 13
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति

किसी को हराना बहुत आसान है, लेकिन किसी को जीतना सबसे कठिन काम है।

TODAY WEATHER
DAY 32° Hi
NIGHT 28° Low

संक्षेप

भांग और आभूषणों से बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार, चंदन से किया गया लेप

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि, शनिवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। शनिवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य श्रृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा। महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। बाबा महाकाल की पूजा के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा ने मुकुट धारण किया। इसके बाद झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े, और शंखनाद के साथ भस्म आरती की गई। बाबा महाकाल का चंदन से लेप किया गया। भांग और आभूषणों से भव्य श्रृंगार किया गया। महाकाल मंदिर के पुजारी ने महाआरती संपन्न कराई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीती रात से ही कतारबद्ध थे। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना अनिवार्य होता है। परंपरा के अनुसार, महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से बाबा महाकाल को भस्म आरती अर्पित की जाती है। मान्यता है कि भस्म अर्पित किए जाने के बाद बाबा महाकाल निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। बाबा की इस आरती में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन की पावन नगरी पहुंचते हैं।

गाजियाबाद की ट्रोनिका सिटी में बैग फैक्ट्री में भीषण आग , दमकल की 12 गाड़ियों ने दीवार तोड़कर पाया काबू, कोई हताहत नहीं

गाजियाबाद। गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र ट्रोनिका सिटी के सेक्टर र-3 में देर रात एक बैग निर्माता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दमकल विभाग की 12 गाड़ियों और वाटर टैंकरों को मौके पर तैनात करना पड़ा। फैक्ट्री के पूरी तरह ढके (कवर्ड) होने के कारण जवानों को पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा। दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग को आसपास की फैक्ट्रियों में फैलने से रोक लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। रात 9 :50 बजे मिली सूचना, शेड के नीचे सुलगती आग पर कूलिंग ऑपरेशन जारीमुख्य अग्निशमन अधिकारी (ष्टस्नह्र) राहुल पाल ने घटना के संबंध में आधिकारिक जानकारी साझा की : पीछे की दीवार तोड़कर बनाया रास्ता : सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि रात लगभग 9 :50 बजे नामक बैग बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। फैक्ट्री चारों तरफ से कवर्ड थी, जिससे मुख्य द्वार से अंदर पानी पहुंचाना बेहद कठिन था। दमकल टीम ने तुरंत पीछे की दीवार को तोड़ा और अंदर पानी की बौछारें शुरू कीं।

हर बच्चे में है खासियत, शिक्षक पहचानें टैलेंट, स्क्रीन टाइम पर भी दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल टीचर्स अवॉर्ड विजेताओं से संवाद में बोले प्रधानमंत्री- हर बच्चे में कोई न कोई खासियत, शिक्षक पहचानें प्रतिभा; स्क्रीन टाइम से बचाने के लिए खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड विजेताओं से संवाद किया। बातचीत के दौरान उन्होंने शिक्षकों से बच्चों की प्रतिभा पहचानने, उनके बेहतर भविष्य के निर्माण और बदलते दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि हर बच्चे में कोई न कोई खासियत होती है और हर शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वह उस हुनर को पहचानने की कोशिस करे।

पीएम ने शिक्षकों से पूछा कि अगर कोई बच्चा पढ़ाई में अपेक्षाकृत कमजोर है तो क्या वे उसकी दूसरी प्रतिभाओं को पहचानने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, 'हो सकता है एक-आध बच्चा शिक्षा में ठीक नहीं होगा, लेकिन परमात्मा ने हर एक को कोई ना कोई ताकत दी होती है। क्या आप लोग उसके टैलेंट को पहचानने के लिए कोई कोशिश करते हैं?'

इस पर शिक्षकों ने बताया कि वे बच्चों की अलग-अलग खूबियों और चुनौतियों को समझने तथा उनकी प्रतिभा पहचानने के लिए लगातार प्रयास करते हैं। एक शिक्षक ने कहा कि कक्षा में मौजूद हर बच्चे की अपनी अलग खूबी, टैलेंट और चुनौती होती है और शिक्षक के तौर पर इन सभी पहलुओं को पहचानना उनकी कोशिश रहती है।

स्क्रीन टाइम को लेकर पीएम मोदी ने दिया ये सुझाव

प्रधानमंत्री ने बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम को भी एक महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने कहा कि अब स्क्रीन टाइम एक तरह के एडिक्शन का रूप ले रहा है। ऐसे में बच्चों को खेलकूद और मैदान से जोड़ना इस समस्या से बाहर निकलने में मददगार हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों से ज्यादा से ज्यादा जोड़ने के लिए स्कूलों में अलग-अलग कार्यक्रमों को नियमित गतिविधि का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उनका मानना है कि जब बच्चे मैदान में खेलना शुरू करेंगे तो धीरे-धीरे वे स्क्रीन की आदत से बाहर निकल सकते हैं।

'बच्चों की जिंदगी में घुसना पड़ेगा'

संवाद के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका संदेश केवल सामने बैठे शिक्षकों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा जगत के लिए है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल किताबों और सिलेबस तक सीमित रखने के बजाय शिक्षकों को बच्चों की जिंदगी से जुड़ना होगा। पीएम मोदी ने कहा, ऱहमें बहुत पहले से ज्यादा किताबों से बाहर निकल कर के, सिलेबस से बाहर निकल कर के, बच्चों की जिंदगी में घुसना पड़ेगा।ऱ उन्होंने कहा कि बच्चों के भीतर का बचपन खत्म नहीं होना चाहिए और उसे बनाए रखने में शिक्षक की बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों का बचपन बचाए रखने का सबसे बड़ा काम शिक्षक कर सकता है और इसके लिए जरूरी है कि शिक्षक के भीतर भी बचपन जीवित रहे। प्रधानमंत्री ने शिक्षक दिवस पर नेशनल टीचर्स अवॉर्ड विजेताओं समेत देशभर के शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता पर भी हुई चर्चा

संवाद के दौरान एक शिक्षिका ने अपने शोध का विषय ब्रेस्ट कैंसर बताया। उन्होंने कहा कि आज भी कई महिलाएं इस विषय पर बात करने में हिचकिचाती हैं। उन्होंने बताया कि उनका प्रयास महिलाओं को स्वच्छता और ब्रेस्ट कैंसर से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे कम से कम यह पहचान सकें कि कब उन्हें डॉक्टर की सलाह और जांच की जरूरत है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में चलाए गए ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं सामने आकर जांच कराने के लिए तैयार हो रही हैं, जबकि पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। पीएम मोदी ने बताया कि एक दिन में अधिकतम लोगों की जांच किए जाने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी दर्ज किया गया। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

वैज्ञानिक सोच से राष्ट्र प्रथम तक

शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति ने क्या अपील की? बताया कैसी पीढ़ी तैयार करें

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षकों से देश की आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक ऐसी पीढ़ी तैयार करें, जो वैज्ञानिक सोच विकसित करे और मानव कल्याण के लिए काम करे। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों में देश के प्रति जिम्मेदारी और राष्ट्र प्रथम की भावना पैदा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की पवित्र जिम्मेदारी विद्यार्थियों को अच्छा इंसान बनाना है। उनके मुताबिक, नैतिक सोच और व्यवहार के साथ सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थी शिक्षक की सफलता का सबसे बड़ा उदाहरण होते हैं।

शिक्षक पर अभिभावक इतना भरोसा क्यों करते हैं?

राष्ट्रपति ने अपने लेख शेपिंग माइंड्स; बिल्डिंग द फ्यूचर में कहा कि जब माता-पिता और अभिभावक बच्चों को पढ़ने के लिए शिक्षकों के पास भेजते हैं, तो वे उन पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्हें उम्मीद होती है कि शिक्षक बच्चों को अपने बच्चों की तरह समझेंगे और उनकी सुरक्षा तथा विकास का पूरा ध्यान रखेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि हर शिक्षक का धर्म है कि वह इस भरोसे को कायम रखे। शिक्षक का व्यवहार ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे बच्चों में डर, चिंता, हीन भावना या हौसला टूटने की स्थिति पैदा हो।

राष्ट्रपति ने कैसी पीढ़ी तैयार करने की बात कही?

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सामाजिक समावेश को केंद्र में रखते हुए विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षकों को ऐसी पीढ़ी तैयार करनी चाहिए, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का सम्मान करे, वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखे और मानवता के कल्याण के लिए काम करे। विद्यार्थी अंत्योदय के आदर्श को समझें, पर्यावरण और सभी जीव-जंतुओं की रक्षा करें तथा व्यक्तिगत और सामूहिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें। उन्होंने अपने शिक्षकों को याद करते हुए कहा कि एक स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी असीम क्षमता को जगा सकता है। राष्ट्रपति ने नागरिकों से भी ईमानदार और समर्पित शिक्षकों को सर्वोच्च सम्मान देने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत लगातार सीखता रहेगा और दुनिया का नेतृत्व करेगा।

शुद्धिकरण विवाद : प्रियांक खरगे बोले- भाजपा और आरएसएस के दबाव में काम कर रही सरकार, 'डमी सीएम' पर भी पलटवार

बेंगलुरु, एजेंसी। हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद को लेकर कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने उत्तराखंड की घटना पर सवाल उठाया है। विधान सौधा पुलिस की ओर से उत्तराखंड भाजपा के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद खरगे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस का कर्तव्य है और इस मामले में उत्तराखंड सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए थी।

प्रियांक खरगे ने कहा कि इस मामले में उत्तराखंड सरकार को खुद संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार को भी इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए था और गृह मंत्री को इस मुद्दे पर बोलना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के कारण भाजपा इस तरह के मामलों में कार्रवाई करने से बचती है।

बिहार में बाढ़ का कहर जारी, गंगा के उफान से कई जिलों में लाखों लोग प्रभावित

पटना, एजेंसी। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जल संसाधन विभाग के शनिवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा समेत कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, भागलपुर, भोजपुर, पटना, सारण और वैशाली में ही करीब 7.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके अलावा कई अन्य जिलों में भी निचले इलाकों में पानी फैलने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर के खरीक प्रखंड की राघोपुर पंचायत में गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण काजीकौरैय-राघोपुर मार्जिनल बांध 23 अगस्त की रात करीब 30 मीटर लंबाई में क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद पंचायत के पांच वार्डों में पानी फैल गया, जिससे करीब 5,000 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों के लिए छह सामुदायिक रसोई केंद्र चलाए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 70,600 थालियों में भोजन कराया जा चुका है। भोजपुर में गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। जिले के चार प्रखंडों की करीब 2.84 लाख आबादी प्रभावित हुई है। प्रशासन की ओर से 13 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां अब तक करीब 8,300 थालियों में भोजन कराया गया है।

मुख्यमंत्री योगी का वाराणसी दौरा, बाढ़ की स्थिति की करेंगे समीक्षा

आर्यावर्त क्रांति

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को वाराणसी के दौरे पर है, जहां वह बाढ़ की स्थिति का जायजा ले सकते है और शहर में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को दी जा रही राहत और सहायता की समीक्षा भी करेंगे। जानकारी के अनुसार सीएम योगी शाम को हेलीकॉप्टर से वाराणसी पुलिस लाइन जाएंगे, जहां वे बाढ़ पीड़ितों से मिलने जा सकते है। इसके बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद शिवपुर विधानसभा क्षेत्र के विद्या बिहार इंटर कॉलेज में बाढ़ पीड़ितों से मिलेंगे और राहत सामग्री प्रदान करेंगे। सीएम योगी कालभैरव और श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। इस दौरान उनके साथ मंडल आयुक्त एस राजलिंगम और डीएम सत्येंद्र झा मौजूद रहेंगे। हवाई सर्वेक्षण के दौरान सीएम आवश्यक दिशा निर्देश वाराणसी के अधिकारियों को दे सकते हैं। इसके बाद बाबतपुर एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। इससे पहले गुरुवार को वाराणसी में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महापौर अशोक तिवारी और जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार से शहर की स्थिति का जायजा लेने और बढ़ते जलस्तर से निपटने के लिए चल रही उपायों की समीक्षा करने के लिए बात की। बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री को बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत और बचाव उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

पेपर लीक पर भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशानाः कहा- झारखंड में पेपर लूट हुई थी, महिलाओं के मुद्दे पर कैसे घेरा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली में झारखंड की सहायक वन संरक्षक और वन क्षेत्र पदाधिकारी परीक्षाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सामने आए तथ्यों से पता चलता है कि परीक्षा के प्रश्नपत्र रखे गए स्ट्रॉन्ग रूम में सेंध लगाई गई। उनके अनुसार प्रश्नपत्र बाहर निकाले गए और उनमें बदलाव किए गए। त्रिवेदी ने इस पूरे घटनाक्रम को सामान्य पेपर लीक से अलग बताते हुए इसे 'पेपर लूट' करार दिया।

त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली में परीक्षाओं के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने वाले राजनीतिक दल झारखंड की घटना पर चुप हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि वे इस मामले में 'गांधी के तीन बंदरों' की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उनका आरोप है कि झारखंड के अभ्यर्थियों और देशभर के युवाओं के बीच इस मुद्दे पर विपक्ष की चुप्पी को लेकर नाराजगी है। त्रिवेदी ने कहा कि इस मामले पर उनकी चुप्पी अभ्यर्थियों के मन में चीख की तरह गूंज रही है। भाजपा सांसद ने कांग्रेस में महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिए जाने को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चार राज्यों में सत्ता में है, लेकिन उसके पास केवल तीन महिला मंत्री हैं। त्रिवेदी ने इसे 'बहुत नाइंसाफी' बताया और कहा कि राहुल गांधी तथा खरगे इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने खरगे को संबोधित करते हुए कहा कि वह राहुल गांधी के पिता से भी उम्र में बड़े हैं और उन्हें राहुल का मार्गदर्शन करना चाहिए, न कि उनके प्रभाव में काम करना चाहिए।

राहुल गांधी पर त्रिवेदी ने किस तरह का हमला किया?

त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर बेहद तीखी और व्यक्तिगत राजनीतिक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आने पर उनका परिचय 'मुल्लाओं और मौलवियों के संरक्षक, सनातन धर्म के विनाशक और घुसपैठियों के रक्षक' के रूप में कराया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी एक तरफ 'पितृसत्ता खत्म करो' का नारा देते हैं, जबकि दूसरी तरफ कांग्रेस में महिला मंत्रियों को एक-एक करके हटाया जा रहा है। हालांकि, दिए गए इनपुट में इस आरोप के समर्थन में कोई अलग तथ्य या उदाहरण नहीं दिया गया है।

यूपी समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, उत्तराखंड में 10 सितंबर तक बरसेंगे बादल, IMD ने जारी की चेतावनी

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर भारत में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पांच और छह सितंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, उत्तराखंड में पांच से 10 सितंबर के बीच कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है।

आईएमडी के मुताबिक, शनिवार को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में गरज-चमक और बिजली कड़कने के साथ कई इलाकों में बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में पांच सितंबर को और उत्तराखंड में पांच से 10 सितंबर तक बारिश की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान है। पांच और छह सितंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, छह से आठ सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी भारी बारिश का अनुमान है।

पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी एमपी में बहुत भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने पांच सितंबर को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

दिल्ली में हुई बारिश, पालम में 7 सेमी पानी बरसा

पिछले 24 घंटों में उत्तर भारत के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। चार सितंबर की सुबह 8:30 बजे से पांच सितंबर की सुबह 5:30 बजे के बीच पंजाब और हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में कई स्थानों पर बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर बारिश दर्ज की गई। दिल्ली के पालम में सात सेंटीमीटर और सफदरजंग में चार सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली मौसम उप-क्षेत्र में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई।

कम दबाव का क्षेत्र बना बारिश की वजह

आईएमडी के अनुसार, मौजूदा मौसम गतिविधियों के पीछे उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर बना स्पष्ट कम दबाव वाला क्षेत्र प्रमुख कारण है। पांच सितंबर की सुबह 5:30 बजे यह सिस्टम इसी क्षेत्र में सक्रिय था। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से करीब 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान इस सिस्टम के लगभग इसी क्षेत्र में बने रहने की संभावना है।

भारत भले ही चांद पर पहुंच गया, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं हुआ, बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश में दशकों से चली आ रही हाथ से मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि भारत 21वीं सदी में चांद के अनछुए हिस्सों तक पहुंचने का दावा करता है, लेकिन जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई के कारण आज भी कुछ लोगों को इंसानी गरिमा के खिलाफ काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की पीठ ने कहा कि संविधान लागू हुए 75 साल से अधिक समय बीत चुका है और वह सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। इसके बावजूद देश अब तक उस सामाजिक बुराई से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है, जिसने समाज को सदियों से प्रभावित किया है।

कोर्ट ने यह टिप्पणी 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' को लागू करने में राज्य और स्थानीय अधिकारियों की कथित विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। 13 अगस्त को हुई सुनवाई का फैसला 3 सितंबर को सार्वजनिक किया गया।

पीठ ने दो सरकारी आदेशों को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि निजी ठेकेदारों या निजी क्षेत्र के माध्यम से काम पर रखे गए सफाई कर्मचारियों की मौत होने पर उनके परिवार 30 लाख रुपये के मुआवजे के हकदार होंगे। यह मुआवजा राज्य सरकार को देना होगा, हालांकि बाद में संबंधित नियोक्ता से इसकी वसूली की जा सकती है।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों ने किया रक्तदान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के ब्लड बैंक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में रक्तदान-महादान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान करते हुए प्रख्यात शिक्षाविद एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन किया। शिविर का आयोजन शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में हुआ।

जनपदीय प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि रक्तदान शिविर का फीता काटकर शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता ने किया। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रियांक वर्मा, सीएमएस डॉ. अविनाश चंद्र गुप्ता तथा ब्लड बैंक प्रभारी प्रोफेसर डॉ. संजय सिंह ने रक्तदान करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। निजाम खान ने बताया कि शिविर में कुल 15 यूनिट रक्तदान किया गया। दर्जनों शिक्षक रक्तदान के लिए पहुंचे, लेकिन हीमोग्लोबिन कम होने अथवा अन्य स्वास्थ्य कारणों से चिकित्सकीय जांच के बाद कुछ शिक्षकों को रक्तदान करने से रोक दिया गया। रक्तदान करने वालों में शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय, प्रशांत पाण्डेय, दुर्गेश द्विवेदी, हेमंत यादव, विजय पाल, केदारनाथ दूबे, अंजनी नंदन पाण्डेय, जाफरयाब हैदर, डॉ. आलोक तिवारी, आशीष मिश्रा विश्वास सोनी, लोकेश प्रताप सिंह, अरुण शुक्ला, विनोद यादव और संतोष चौरसिया सहित अन्य शिक्षक शामिल रहे। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रियांक वर्मा ने कहा कि नियमित रूप से योग्य व्यक्ति द्वारा रक्तदान करना एक महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा है। रक्तदान के बाद शरीर में नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया होती है। सीएमएस डॉ. अविनाश चंद्र गुप्ता ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एक यूनिट रक्त को विभिन्न घटकों में विभाजित कर एक से अधिक मरीजों के उपचार में उपयोग किया जा सकता है। शिविर को सफल बनाने में अनुराग पाण्डेय, अनुराग गुप्ता, विजय चौधरी, सुशील, संजू और राजेश सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

बेसिक शिक्षा के 20 शिक्षकों को मिला शिक्षक सम्मान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सदर विधायक राज बाबू उपाध्याय, जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने की। समर्पण, नवाचार, एवं शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बेसिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों को सम्मानित किया गया जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने सभी शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाए दी। शिक्षकों को संबोधित करते हुए सदर विधायक राज बाबू उपाध्याय ने बच्चों में अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों को तकनीक के उपयोग का महत्व गिनाया। भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने शिक्षित प्रदेश से समर्थ प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत बनाने में शिक्षकों की भूमिका बताई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ ही उनके अंदर संस्कार, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी शिक्षकों की जिम्मेदारी है।

संक्षेप

बिरसिंहपुर अस्पताल को जल्द मिलेगा पूर्ण उप-जिला अस्पताल का स्वरूप

सुल्तानपुर। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने शनिवार दोपहर करीब तीन बजे 100 बेड वाले बिरसिंहपुर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया। उनके साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी भरत भूषण भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिरसिंहपुर अस्पताल जिला मुख्यालय से काफी दूर स्थित है और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। मीडिया से बातचीत में जिलाधिकारी ने कहा कि अखंड नगर, दोस्तपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को प्रसव, उपचार और आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं के लिए जिला मुख्यालय या मेडिकल कॉलेज तक लंबी दूरी तय न करनी पड़े, इसके लिए बिरसिंहपुर अस्पताल को प्रभावी ढंग से संचालित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में बुनियादी ढांचा उपलब्ध है और इसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बनाया जाएगा। अस्पताल में चिकित्सकों की कमी और रात में इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित होने के सवाल पर डीएम ने बताया कि अस्पताल का गैप एनालिसिस कराया जा रहा है। इसके आधार पर आवश्यक मैनपावर की व्यवस्था की जाएगी, ताकि अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम विशेष रूप से कार्य कर रही है। इसके लिए वार रूम बनाए गए हैं और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के संबंध में केंद्र व प्रदेश सरकार के स्तर पर लगातार समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य सचिव और राज्य सरकार के स्तर पर लखनऊ में लगातार बातचीत चल रही है, ताकि अस्पताल की आवश्यकताओं को शीघ्र पूरा किया जा सके। डीएम ने भरोसा दिलाया कि अस्पताल के बुनियादी ढांचे में कोई बड़ी कमी नहीं है। मैनपावर समेत अन्य कमियों को दूर कर बिरसिंहपुर अस्पताल को जल्द ही पूर्ण उप-जिला अस्पताल के रूप में संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अस्पताल की व्यवस्थाओं में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटी की मौत

सुल्तानपुर। अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार रात बाबूगंज बाजार के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि महिला का 10 वर्षीय बेटा और देवर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। इनायतपुर गांव निवासी अवधेश (40) शुक्रवार को अपनी भाभी रेखा (32), भतीजी वर्षा (12) और रेखा के बेटे तेजस (10) के साथ बाइक से कूरेभार थाना क्षेत्र के गुप्तागंज बाजार में जन्माष्टमी का मेला देखने गए थे। मेला देखने के बाद चारों बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। रात करीब 10 बजे गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में बाबूगंज बाजार के आगे पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रेखा और उनकी बेटी वर्षा सड़क पर जा गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद रेखा और वर्षा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल तेजस और अवधेश का उपचार कराया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है। मां-बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गूंजे जयकारे, धूमधाम से मनाया जन्मोत्सव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिरों से लेकर पुलिस लाइन और विभिन्न थानों तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर परिसर और आसपास का वातावरण जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया। कई स्थानों पर आतिशबाजी भी की गई। पुलिस लाइन स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी समारोह में जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार चतुर्थ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंदिर परिसर में देर रात तक भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहा। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन रत्नप्रिया, उपजिलाधिकारी सदर गरिमा सौनकिया, क्षेत्राधिकारी नगर राघवेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी ट्रैफिक राम कृष्ण चतुर्वेदी, पुलिस मीडिया सेल प्रभारी अरुणु द्विवेदी और आरआई राजेश कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों के परिजन भी समारोह में शामिल हुए और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में श्रद्धा के साथ भाग लिया। श्रीकृष्ण जन्म के समय मंदिर में विशेष आरती और पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मी भी मुस्तैद रहे, जिससे पूरे आयोजन के दौरान माहौल शांतिपूर्ण बना रहा।

तहसील क्षेत्र के तीनों थानों में हर्षोल्लास से मनी जन्माष्टमी

बल्दीराय/सुल्तानपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर बल्दीराय तहसील क्षेत्र के थाना बल्दीराय, धनपतगंज और हलियापुर में धार्मिक आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पुलिस की रोजमर्रा की भागदौड़ और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों के बीच खाकी वर्दी में भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा का भाव देखते ही बना। तीनों थानों में पुलिस अधिकारियों ने अपने समस्त स्टाफ और क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों के साथ विधि-विधान से जन्माष्टमी मनाई।

थाना बल्दीराय में महेंद्र प्रताप सिंह, थाना धनपतगंज में अंजू मिश्रा तथा थाना हलियापुर में अतुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में जन्माष्टमी कार्यक्रम आयोजित हुआ। थाना परिसरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी झांकी सजाकर विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की गई।

लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर सुबह-सुबह बड़ा हादसा

बस ने बाइक को मारी टक्कर, हल्द्वानी जा रहे मामा-भांजे की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भेदपुर गांव के पास शनिवार सुबह बस की टक्कर से बाइक सवार मामा भांजे की मृत्यु हो गई। दोनों हल्द्वानी जा रहे थे।

चालक नगरिया मोड़ के पास बस छोड़कर भाग गया। रामचंद्र मिशन के कनेग गांव निवासी सोमेश शुक्ला हरदोई के राघवपुर नवादा गांव निवासी मामा मोहित अवस्थी के साथ शनिवार सुबह बाइक से हल्द्वानी जाने के लिए निकले थे।

भेदपुर गांव के पास पीछे से आ रही निजी बस के चालक ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दोनों लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। चालक बस को नगरिया मोड चौकी के पास छोड़कर भाग गया। यात्रियों को दूसरे वाहन से भेजा जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रभाष चंद्र ने बताया कि चालक की तलाश की जा रही है।

'बच्चे को दवा दिला लाना': बदमाशों ने दंपती से लूटे जेवर-नकदी, गिड़गिड़ाने पर बीमार बच्चे के लिए छोड़े ₹ 200

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। हरदुआगंज में बुखार से पीड़ित बीमार बेटे को दवा दिलाने निकले दंपती को नहर पटरी पर शुक्रवार को तीन बदमाशों ने घेरकर लूट लिया। महिला के जेवर और चार हजार रुपये लूटने के बाद बदमाश माछुआ की ओर भाग निकले।

बेटे की बीमारी का हवाला देकर दंपती की मिन्नत सुनकर कुछ दूर जाकर बदमाशों का दिल पसीज गया। उन्होंने मोबाइल, बाइक की चाबी और 200 रुपये लौटाते हुए कहा बच्चे को दवा दिला लाना।

क्वार्सी क्षेत्र के देवसैनी निवासी गौरव शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे पत्नी वर्षा और एक वर्षीय बेटे अनमोल के साथ जलाली जा रहे थे। कई दिनों से बुखार से पीड़ित अनमोल को जलाली में क्लीनिक चलाने वाले अपने साडू से दवा दिलानी थी।

माछुआ नहर पुल से शेखा पुल की ओर नहर पटरी से गुजरते समय मई के नगला के पास एक बाइक पर तीन युवक सामने से आए। कुछ देर बाद वे वापस लौटे और पीछे से ओवरटेक कर दंपती की बाइक रुकवा ली।

मारपीट कर मोबाइल, जेवर और रुपये लूटे

बदमाशों ने गौरव से मारपीट कर मोबाइल और बाइक की चाबी छीन ली, जेब में रखे चार हजार रुपये निकाल लिए। इसके बाद वर्षा के कानों की सोने की बालियां-कुंडल, दोनों अंगूठियां और पैरों की चांदी की पाजेब उतरवा ली।

दंपती ने बदमाशों से काफी मिन्नतें कीं और बेटे की बीमारी का हवाला दिया। गौरव के मुताबिक, तीन में से एक ने साथियों से उन्हें छोड़ने की बात भी कही, लेकिन दोनों अन्य बदमाश नहीं माने। लूट के बाद तीनों करीब 20 मीटर आगे पहुंचे और अचानक बाइक रोक दी।

'बच्चे को दवा दिला लाना'

इसके बाद मोबाइल और बाइक की चाबी सड़क पर फेंक दी। फिर 200 रुपये का नोट भी दंपती की ओर उछालते हुए कहा कि बच्चे को दवा दिला लाना। इसके बाद बदमाश माछुआ पुल की ओर भाग गए। डरे-सहमे दंपती शेखा पुल पहुंचे और परिजनों को बुलाकर पुलिस को सूचना दी।

दर्जनों कैमरों में तलाशे लुटेरों के रास्ते

घटना के बाद पुलिस ने नहर पटरी से लेकर आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ कई पुलिस टीमें संदिग्ध बाइक सवारों की पहचान में जुटीं। दंपती से भी फुटेज में दिखाई देने वाले संदिग्धों की पहचान कराने का प्रयास किया गया। शाम तक पुलिस किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

एसएसपी ने दिए जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

एसएसपी नीरज जादौन और एसपी देहात मनीष कुमार मिश्र ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित दंपती से पूरी जानकारी ली। अधिकारियों ने क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, एसओजी और सर्विलांस टीम को लुटेरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। एसएचओ जोगेंद्र सिंह ने बताया कि गौरव की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सर्किट हाउस में नमाज पढ़ने पर सपा विधायक के चाचा पर रिपोर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के बिलारी के सपा विधायक मो. फहीम के चाचा मो. उस्मान के खिलाफ मझोला थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सर्किट हाउस में रास्ते में गाड़ी खड़ी कर नमाज पढ़ी। इससे आने वाले वालों को परेशानी हुई।

पुलिस ने कार्रवाई सर्किट हाउस के प्रभारी जेई अनिल कुमार की तहरीर पर की है। मो. उस्मान सपा में जिला उपाध्यक्ष हैं। नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में आए थे। इस दौरान उन्होंने एमएलसी चुनाव को लेकर सर्किट हाउस में सपा नेताओं के साथ बैठक भी की थी। शुक्रवार को वह चले गए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ।

इसमें बिलारी के विधायक मो. फहीम के चाचा एवं जिला उपाध्यक्ष नमाज पढ़ते नजर आ रहे हैं। इस मामले में हिंदू संगठन के लोगों ने पुलिस अफसरों से मिलकर कार्रवाई की मांग की थी।

शुक्रवार की रात सर्किट हाउस के प्रभारी जेई अनिल कुमार की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

छात्राओं ने बेझिझक साझा की समस्याएं, पुलिस ने लिया मिशन शक्ति का फीडबैक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत शनिवार को बल्दीराय पुलिस ने राममिलन सालिकराम ज्ञानोदय इंटर कॉलेज में छात्राओं से कार्यक्रम का फीडबैक लिया। पुलिस टीम ने छात्राओं को फीडबैक फॉर्म उपलब्ध कराकर क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं को होने वाली समस्याओं के संबंध में उनके सुझाव एवं अनुभव जाने।

फीडबैक फॉर्म के माध्यम से छात्राओं से पार्क, चौराहे, नुक्कड़, गली, बाजार, बस एवं टैक्सी स्टैंड सहित दुकानों के आसपास अराजक तत्वों के जमावड़े अथवा किसी भी प्रकार की असुविधा के संबंध में जानकारी मांगी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि फीडबैक देने वाली छात्राओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। फॉर्म पर केवल दिनांक, कक्षा और विद्यालय का नाम अंकित करना है। छात्राओं को अपना नाम, पिता का नाम अथवा घर का पता लिखने की आवश्यकता नहीं है। छात्राओं ने भी अभियान को लेकर उत्साह दिखाते हुए खुलकर अपने विचार एवं सुझाव फीडबैक फॉर्म में दर्ज किए और उन्हें पुलिस टीम को सौंपा। छात्राओं ने कहा कि मिशन शक्ति के माध्यम से उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ जरूरत के समय सहायता प्राप्त करने की महत्वपूर्ण जानकारी मिल रही है। इस दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित सेवा से संपर्क किया जा सकता है। वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए 102, अग्निशमन सेवा 101, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक राजदेव, कांस्टेबल अंकित साहू, महिला कांस्टेबल सविता यादव एवं आकांक्षा ने छात्राओं को मिशन शक्ति के उद्देश्य और महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

मुस्लिम कारीगर चमकाते हैं प्रतिमा : फहीम और शानू की पुकार, हे लड्डू गोपाल करो कमाल, पल जाएं हमारे भी बाल-गोपाल

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में जयगंज की मुख्य सड़क से निकलने वाली तंग गलियों में भूखी की सराय मोहल्ला है। जहां मुस्लिम कारीगर लड्डू गोपाल, गणेश जी, विष्णु-लक्ष्मी सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं को तराश कर चमका देते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से एक दिन पहले इन कारीगरों पर काम ज्यादा है। इसी काम में जुटे फहीम और शानू कहते हैं कि लड्डू गोपाल बस इतनी कृपा कर दें कि उनके बाल-गोपाल भी पल जाएं...।

इसी मोहल्ले की तंग गली के एक घर में वेल्डिंग मशीन पर फहीम लड्डू गोपाल की मूर्तियों के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ते हैं। बोले-पीतल की महंगाई ने काम समेट दिया है, एक साल से जबरदस्त संकट है। अब घर चलाना और तीन बच्चों को पढ़ाना मुश्किल हो रहा है। बफिंग मशीन पर मूर्तियों को चमका रहे शानू कहते हैं कि पहले अच्छा काम मिल रहा था, अब वो बात नहीं रही। दो बच्चों के साथ गृहस्थी चलाना भारी पड़ रहा है।

यहां संचालित एक कंपनी के मो. शबाब अहमद ने बताया कि उनकी कंपनी में ऐसे कई कारीगर हैं, जो पांच साल की उम्र से देवी-देवताओं की प्रतिमाएं को चमका रहे हैं। जुनैद पांच साल की उम्र से काम कर रहे हैं और शमशाद को भी दस साल से अधिक हो चुके हैं। अब दोनों अपने काम में पारंगत हो चुके हैं। महंगाई ने सबका बजट बिगाड़ दिया है।

मो. फैजान 10 साल से इस काम में लगे हैं। कहते हैं किसी तरह से परिवार पाल रहे हैं। पीतल के महंगा होने के बाद काम कम हो रहा है, जिससे पहले जैसी दिहाड़ी नहीं बन पाती है। दिन भर में 700 से 1000 रुपये का काम हो पाता है। सात साल से इस काम में लगे मो. अरबाज ने कहा कि शादी नहीं हुई है, अब्बा-अम्मी के साथ ही रहते हैं। कमाई बढ़े तो निकाह करें। मो. शबाब कहते हैं कि अभी शादी नहीं हुई, क्योंकि घर की जिम्मेदारियां ही पूरी नहीं हो रही हैं। गौर हो कि इन सभी कारीगरों को इस बात का मलाल है कि आज तक उन्हें सरकार से कोई सुविधा नहीं मिली है। न कोई प्रशिक्षण कार्यशाला होती है, न कोई ऐसी जगह है, जहां कारीगर काम सीख सकें, नई मशीनों की सुविधा नहीं है।

गोरक्षपीठ में सीएम योगी ने मनाया गोपाल का प्राकट्योत्सव

मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में विधि विधान से की पूजा-अर्चना, प्राकट्य के बाद प्रभु श्रीकृष्ण के लड्डू गोपाल स्वरूप को पालने में झुलाया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भक्ति, प्रेम व धर्म के शाश्वत आलोक, गोपाल, जगतपाल, पूर्ण परब्रह्म, भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव का पवित्र पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, शिवावतार महायोगी गोरखनाथ की साधनास्थली गोरखनाथ मंदिर में पारंपरिक श्रद्धा, भव्यता एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। गोरक्षपीठ के इस पारंपरिक कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार रात लखनऊ से गोरखपुर पहुंचे।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह से मध्य रात्रि तक, मथुरा से लेकर लखनऊ और गोरखपुर तक, समस्त योगियों के परमेश्वर माने जाने वाले योगेश्वर श्रीकृष्ण की साधना में रमे रहे। सुबह उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा स्थित जन्मभूमि मंदिर में कान्हा की विधि विधान से आराधना कर प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। शाम को वह लखनऊ पुलिस लाइन में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में सम्मिलित हुए और फिर रात में गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर उन्होंने पारंपरिक श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में प्रभु के प्राकट्य अनुष्ठान को पूर्ण कराया। गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। इसके बाद उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेक पुष्पार्चन किया, उनका आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में भजन संध्या का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री यहां पहुंचे और सुमधुर भजनों का आनंद उठाते हुए राधा-कृष्ण बने बच्चों को दुलारकर उन्हें उपहार देते रहे। गोरक्षपीठाधीश्वर ने मध्य रात्रि गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर विधि विधान से विशिष्ट पूजा अर्चना की। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के बाद 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की' और 'श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेव' की मंगल धुन, सोहर गीत और घंट-घड़ियाल की ध्वनि के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर उन्हें गोद में लेकर गर्भगृह से बाहर आए। सीएम योगी ने, प्रभु श्रीहरि के बाल स्वरूप 'लड्डू गोपाल' को फूलों से सजे पालने में बैठाकर श्रद्धाभाव से उन्हें झुलाया और आरती उतारी। प्रभु श्रीकृष्ण का प्राकट्य अनुष्ठान पूर्ण होने के उपरांत मंदिर की तरफ से श्रद्धालुओं को फलाहार और प्रसाद वितरित किया गया। गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव परंपरागत रूप से धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन संध्या कार्यक्रम सुपरिचित लोक गायक डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में शाम से ही जारी था। दूसरी तरफ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के गर्भगृह में रात करीब साढ़े ग्यारह बजे से प्रारंभ हुआ और ठीक मध्य रात्रि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोपरांत मंगल गीत व प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, कई साधु-संत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मध्य रात्रि तक मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन कीर्तन के मध्य श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में राधा व कृष्ण बने बच्चों को खूब स्नेह दिया। उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। उन्हें खिलौने व चॉकलेट उपहार में दिए। इस दौरान कई मासूमों को अपनी गोद में लेकर वह काफी देर तक खिलाते रहे, प्यार-दुलार करते रहे। कुछ बच्चों ने सीएम योगी को दोहे और श्लोक सुनाए तो कुछ ने उनके साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री सभी बच्चों का अनुरोध पूरा करते रहे। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर गोरखनाथ मंदिर के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित श्रीकृष्ण बालरूप सज्जा प्रतियोगिता में सजधज कर आए बच्चों ने लोगों का मन मोह लिया। दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में हुई बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता में कोई श्रीकृष्ण के रूप में था तो कोई राधा। इन बच्चों के वेश और रूप से सभागार एकबारगी गोकुल का भान करा रहा था। दो वर्गों में हुई इस प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चे कार्यक्रम का आकर्षण बढ़ा रहे थे। बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता के कान्हा वर्ग में प्रथम पुरस्कार शर्विल पांडेय को, द्वितीय पुरस्कार सौम्या प्रजापति और तृतीय पुरस्कार हिमांशी श्रीवास्तव को दिया गया। गोपाल वर्ग में प्रथम पुरस्कार सार्थक, द्वितीय राजवीर और तृतीय पुरस्कार रूद्र को मिला। श्रीकृष्ण रूप सज्जा में विजेताओं को मुख्यमंत्री ने प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर पुरस्कृत किया। निर्णायक की भूमिका सारिका राय, मनीषा सिंह और हृदया त्रिपाठी ने निभाई जबकि संचालन शिवेंद्र पांडेय ने किया।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में, डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित भजन संध्या में कान्हा-श्याम की आराधना की गूंज रही। शुभारंभ पुनीत श्रीवास्तव ने एक सुमधुर भक्ति गीत से किया। इसके पश्चात हृदया त्रिपाठी व अनीता सिंह ने सोहर और लक्ष्मी गुप्ता ने बधाई गीत की कर्णप्रिय प्रस्तुति दी। गायक उमेश मिश्रा और एकता शुक्ला ने कृष्ण भजन सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया। डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने पारंपरिक बधाई गीत एवं सोहर के गायन से वातावरण को उल्लासमय बना दिया। वाद्य यंत्रों पर श्यामसुंदर लाल श्रीवास्तव हंसलोना, दीपक, आभास पाठक एवं सुधाकर सिन्हा ने संगत की।श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में हनुमत संगीत आश्रम एवं सेवा संस्थान की तरफ से रात आठ बजे से बारह बजे तक भजनों की प्रस्तुति की गई।

गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे शिक्षक: योगी

लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए सेल्फी वीडियो के माध्यम से उत्तर प्रदेश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को याद करते हुए आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विशिष्ट ज्ञान परंपरा को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले सभी गुरुजनों और शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ही ज्ञान, साधना और संस्कारों की पावन भूमि रहा है। काशी ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया, जबकि सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज भी सनातन ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र रहे हैं।योगी आदित्यनाथ ने शुकतीर्थ और नैमिषारण्य की गौरवशाली ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि करीब पांच हजार वर्ष पूर्व शुकतीर्थ में महर्षि शुकदेव ने श्रीमद्भागवत का प्रथम वाचन किया था। वहीं नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों की साधना ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। इसी पावन भूमि से आयुर्वेद, अध्यात्म, दर्शन तथा भारतीय ज्ञान-विज्ञान की महान परंपराओं का विकास हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के शिक्षक इसी गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नवाचार के साथ जोड़कर नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान समाज और राष्ट्र के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं गुरुजनों का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति मंगलमय शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

शिक्षक दिवस पर योगी ने 81 शिक्षकों को खुद किया सम्मानित

लखनऊ। शिक्षा व्यवस्था के उत्थान और शिक्षकों के सम्मान के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता शिक्षक दिवस पर गोरखपुर में आयोजित सम्मान समारोह में देखने को मिली। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित सभी 81 शिक्षकों को मुख्यमंत्री ने स्वयं मंच पर पुरस्कार प्रदान किया, जबकि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें केवल 10 शिक्षकों को सम्मानित करना था।पुरस्कार वितरण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी चयनित शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और वह स्वयं सभी को पुरस्कृत करेंगे। इसके बाद निर्धारित 10 शिक्षकों के सम्मान के बाद मुख्यमंत्री ने शेष 71 शिक्षकों को भी मंच पर बुलाकर अपने हाथों से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री की इस पहल से प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिक्षक प्रसन्न नजर आए।मुख्यमंत्री ने सभी पुरस्कृत शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार राशि के रूप में 25 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। महिला शिक्षकों को माध्यमिक शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी तथा पुरुष शिक्षकों को बेसिक शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। समारोह के बाद सभी पुरस्कृत शिक्षकों को मां सरस्वती की प्रतिमा भी भेंट की गई।राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में आजीवन प्रतिवर्ष 4,000 किलोमीटर तक निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा उनकी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा में भी दो वर्ष की वृद्धि होगी।बेसिक शिक्षा विभाग के 61 शिक्षकों, माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों तथा माध्यमिक विद्यालयों के 5 शिक्षकों को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों में आगरा की संगीता शर्मा, अमरोहा की गीता वर्मा, बहराइच की प्रीति मिश्रा, बलरामपुर की सलमा खान, भदोही की उर्मिला देवी, बिजनौर की रचना कपूर, बदायूं की किरन देवी, बुलंदशहर की जूही मलिक, चंदौली की उषा सिंह, फर्रुखाबाद की गीता वर्मा समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों के शिक्षक शामिल रहे।

संक्षेप

तावड़े का अखिलेश पर हमला, बोले- PDA का मतलब 'पराया धन अपना'

लखनऊ। भाजपा के नवनियुक्त उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े शनिवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर पहली बार लखनऊ पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय और कार्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने उनका स्वागत किया।एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान विनोद तावड़े ने समाजवादी पार्टी के पीडीए को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "हम अखिलेश यादव के पीडीए को नाकाम करेंगे। उनके पीडीए का मतलब 'पराया धन अपना' है।"तावड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेगा और जीत हासिल करेगा।दो दिवसीय दौरे के दौरान तावड़े संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति को धार देने के लिए पार्टी नेताओं के साथ विभिन्न बैठकें करेंगे। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के साथ बंद कमरे में समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों और भावी योजनाओं की जानकारी ली जाएगी।दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ कोर कमेटी की बैठक भी प्रस्तावित है। इसमें प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक माहौल, आगामी चुनाव की तैयारियों तथा सरकार और संगठन के बीच समन्वय को लेकर चर्चा की जाएगी।बताया गया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने 18 दिसंबर को विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का नया प्रभारी तथा जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी नियुक्त किया था। तावड़े भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सदस्य हैं। इससे पहले वह हरियाणा और बिहार के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वर्ष 2025 में बिहार प्रभारी रहते हुए भाजपा ने वहां विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की थी।

संजय सिंह का भाजपा पर हमला, चंदा चोरी और दलित-पिछड़ा विरोधी होने का लगाया आरोप

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में भारतीय जनता पार्टी पर भ्रष्टाचार, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण तथा दलित और पिछड़ा वर्ग विरोधी होने के आरोप लगाए। उन्होंने जांच एजेंसियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए भाजपा पर राजनीतिक चंदे के नाम पर बड़े पैमाने पर अनियमितता करने का आरोप लगाया।संजय सिंह ने गुजरात में पंजीकृत छह राजनीतिक दलों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि वर्ष 2023-24 में इन दलों को कुल 5,500 करोड़ रुपये का चंदा मिला। उन्होंने कहा कि आम जनमत पार्टी, सत्यवादी रक्षक पार्टी, स्वतंत्रता अभिव्यक्ति पार्टी, न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी, भारतीय नेशनल जनता दल और गरीब कल्याण पार्टी जैसी पार्टियों की राजनीतिक गतिविधियां सीमित होने के बावजूद इतनी बड़ी धनराशि मिलने पर सवाल उठना स्वाभाविक है।उन्होंने आरोप लगाया कि ये भाजपा की डमी पार्टियां हैं और इनके माध्यम से काले तथा विदेशी धन की हेराफेरी की जा रही है। संजय सिंह ने चुनाव आयोग से इन मामलों की जांच और कार्रवाई की मांग करते हुए चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाया।सहारनपुर में पुरानी मस्जिद गिराए जाने के मामले पर संजय सिंह ने भाजपा पर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी भाजपा को राजनीतिक नुकसान की आशंका होती है, तब वह सांप्रदायिक मुद्दों को हवा देने का प्रयास करती है। उन्होंने दावा किया कि मस्जिद गिराने की कार्रवाई कानूनों और न्यायिक व्यवस्था के विपरीत है तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है।राम मंदिर ट्रस्ट में हाल में हुई नियुक्तियों को लेकर भी संजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट में दलित समाज के प्रतिनिधित्व को कम किया गया है और विवादित लोगों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।

बंद किए गए 26 हजार स्कूलों को फिर खोलेंगे, केजी से पीजी तक शिक्षा मुफ्त करने की दिशा में काम होगा: रविदास मेहरोत्रा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर 'पाठशाला पुकारे' कार्यक्रम के तहत लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र के नरही में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक रविदास मेहरोत्रा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में हजरतगंज-नरही वार्ड स्थित राजकीय इंटर कॉलेज नरही और प्राथमिक विद्यालय नरही को बंद किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। दोनों विद्यालयों के बाहर समाजवादी पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने विरोध दर्ज कराया। इस दौरान 'पीडीए की पाठशाला' भी लगाई गई।रविदास मेहरोत्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में 26 हजार स्कूल बंद किए गए हैं।

कालीचरण पीजी कालेज में शिक्षक दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज के श्याम सुंदर दास सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्रबंधक इंजीनियर वी.के. मिश्रा ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान समारोह के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया तथा सभी से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

परिचर्चा की शुरुआत करते हुए डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के समक्ष स्वयं को निरंतर अपडेट करने की बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. डी.सी.डी.आर. पांडेय, प्रो. मीना कुमारी, प्रो. वी.एन. मिश्रा, प्रो. अर्चना मिश्रा एवं प्रो. मनोज पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अरुण कुमार यादव ने किया। परिचर्चा के दौरान सभी शिक्षकों ने ज्ञान और आधुनिक तकनीक के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर जोर दिया। इससे पूर्व इंटरमीडिएट कॉलेज में भी शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दो सेवानिवृत्त शिक्षकों—श्री अवनीश कुमार पांडेय एवं श्री जोखू राम को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उनके परिजन भी उपस्थित रहे। शिक्षक दिवस की एक मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें प्रदेश स्तर पर विजयी रही हैंडबॉल प्रतियोगिता की टीम को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रबंधक महोदय ने इंटरमीडिएट कॉलेज के समग्र विकास के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री अनिल कुमार मिश्रा के साथ सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

ठाकुरगंज में मारपीट कर शांति भंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र में सीएमएस स्कूल के सामने हरदोई रोड पर मारपीट और लड़ाई-झगड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों का शांति भंग करने के आरोप में चालान किया गया।पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 3 बजे सीएमएस स्कूल के सामने हरदोई रोड पर कुछ लोगों के बीच मारपीट और लड़ाई-झगड़ा हुआ था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। इस संबंध में मो. इनाम खां पुत्र हाजी मो. सलीम खान, निवासी 418/149/डी गढ़ी पीर खां, ठाकुरगंज, लखनऊ की तहरीर के आधार पर थाना ठाकुरगंज में मु0अ0सं0 578/2026, धारा 115(2), 352, 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

'शिक्षक विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों का विकास करें'

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर स्थायी आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भारतीय लेखिका एवं पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध आयुर्वेदिक सर्जन एवं पद्मश्री डॉ. केवल कृष्ण ठकराल रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू ने अतिथियों और उपस्थित शिक्षकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य की जानकारी दी। संचालन प्रो. सूफिया अहमद ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन शिक्षा, दर्शन और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना या विषयगत ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी क्षमताओं को पहचानना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को कक्षा और पुस्तकों तक सीमित न रखते हुए व्यावहारिक जीवन से जोड़ना जरूरी है। शिक्षकों को विद्यार्थियों में प्रश्न करने, सोचने, सीखने और नवाचार की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए, ताकि वे अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में कर सकें।मुख्य अतिथि विद्या बिंदु सिंह ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन आदर्श शिक्षक की प्रेरणादायी मिसाल है।

प्राविधिक शिक्षा सेवा परीक्षा के लिए लखनऊ में 520 पुलिसकर्मी तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा-2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए लखनऊ पुलिस ने व्यापक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था लागू की है। परीक्षा 6 सितंबर 2026, रविवार को जनपद के 52 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में कुल 22,996 अभ्यर्थी शामिल होंगे।परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली में परीक्षा पूर्वाह्न 9 बजे से 11:30 बजे तक तथा दूसरी पाली में अपराह्न 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए कुल 520 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इनमें 52 उपनिरीक्षक, 156 मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 104 महिला आरक्षी तथा गोपनीय सामग्री की सुरक्षा के लिए 208 सशस्त्र पुलिसकर्मी शामिल हैं।प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक उपनिरीक्षक, तीन मुख्य आरक्षी/आरक्षी तथा दो महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ी, सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े उपकरण तथा अन्य प्रतिबंधित सामग्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में साइबर कैफे, फोटो कॉपी की दुकानें और पीसीओ बंद रखने की व्यवस्था की गई है। परीक्षा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर भी रोक रहेगी।परीक्षा को लेकर सभी सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहेंगे। सोशल मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा सभी प्रमुख सामाजिक माध्यमों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह का तत्काल संज्ञान लिया जा सके।

जातिगत जनगणना का मौजूदा प्रारूप दोषपूर्ण, ओबीसी की सही गिनती संभव नहीं: अनिल जयहिन्द

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन डॉ. अनिल जयहिन्द ने जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप में मूलभूत कमियों को लेकर प्रेसवार्ता की। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम भी मौजूद रहे।डॉ. अनिल जयहिन्द ने कहा कि "सही गिनती, सही आंकड़े, सही हिस्सेदारी और सामाजिक न्याय" के लिए जातिगत जनगणना का सटीक और पारदर्शी होना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रारूप में गंभीर खामियां हैं, जिससे केंद्र सरकार की जातिगत जनगणना को लेकर नीयत पर सवाल उठते हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस मौजूदा प्रश्नावली को खारिज कर उसे रद्द करने की मांग करती है। तेलंगाना

और बिहार में अपनाई गई पद्धति के अनुसार प्रमाणित जातियों की सूची यानी ड्रॉपडाउन सूची के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार कर पूरे देश में पारदर्शी तरीके से जातिगत जनगणना कराई जानी चाहिए। नई प्रश्नावली तैयार करने से पहले राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से व्यापक विचार-विमर्श भी किया जाना चाहिए।डॉ. जयहिन्द ने कहा कि आगामी जनगणना के लिए अधिसूचित 40 प्रश्नों में सवाल नंबर 10 से ही प्रारूप की गंभीर कमी स्पष्ट हो जाती है। इसमें जाति दर्ज करने के लिए खुला विकल्प रखा गया है, जबकि प्रमाणित जातियों की ड्रॉपडाउन सूची होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि खुली व्यवस्था में नागरिक अपनी जाति या उपजाति का नाम बताएगा और गणनाकार उसे उसी रूप में दर्ज करेगा। इससे एक ही जाति के अलग-अलग क्षेत्रीय नाम, उपजातियां, पर्यायवाची शब्द और वर्तनी के अंतर के कारण कई नाम दर्ज हो सकते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में देशभर में एक ही जाति के अनेक नाम दर्ज होने से आंकड़ों में बड़ी विसंगतियां पैदा होंगी और जातिगत जनगणना से प्राप्त आंकड़ों की उपयोगिता प्रभावित होगी। इसका सबसे अधिक नुकसान अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और वंचित समुदायों को उठाना पड़ सकता है।डॉ. जयहिन्द ने कहा कि मौजूदा प्रश्नावली में पिछड़ा वर्ग शब्द तक शामिल नहीं है। ऐसे में ओबीसी की आबादी का सही आंकड़ा सामने आना मुश्किल होगा। गलत आंकड़ों के कारण "जितनी आबादी, उतना हक" की मांग और आरक्षण की न्यायसंगत समीक्षा का आधार कमजोर होगा। यह भी पता लगाना कठिन होगा कि कौन-कौन से ओबीसी और ईबीसी समुदाय आरक्षण का लाभ नहीं पा रहे हैं।उन्होंने कहा कि विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव में शिक्षा, छात्रवृत्ति, कौशल विकास, सरकारी रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं में पिछड़े समुदायों की लक्षित हिस्सेदारी तय करना भी कठिन होगा। उन्होंने कहा कि गलत आंकड़े केवल आंकड़ों की त्रुटि नहीं होते, बल्कि उनका असर आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर पड़ सकता है।डॉ. जयहिन्द ने कहा कि सार्वजनिक रूप से सामने आई जानकारी के अनुसार, एक जून को हुई बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधिकारियों ने जातियों की गणना के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के पास उपलब्ध ओबीसी जातियों की सूची साझा करने की इच्छा जताई थी। उनका सवाल था कि जब ऐसी सूची उपलब्ध है तो जातिगत जनगणना में ड्रॉपडाउन सूची का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने दावा किया कि देश में लगभग 4,200 जातियां हैं और केंद्र तथा राज्य सरकारों के पास इनके संबंध में सूचियां उपलब्ध हैं। कांग्रेस का आरोप है कि इसके बावजूद राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना में प्रमाणित जातियों की सूची को शामिल नहीं किया जा रहा है।डॉ. जयहिन्द ने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से सही तरीके से जातिगत जनगणना कराने की मांग करती रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वर्ष 2023 से इस मुद्दे को लगातार उठाते रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने 20 अगस्त को प्रधानमंत्री को संयुक्त पत्र भेजकर जातिगत जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराई थी।

जीवन की राह में ज्ञान का दीप जलाते हैं शिक्षक

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी।

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टेम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे। दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। आज के दौर में अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता अक्सर यह रहती है कि उनका बच्चा पढ़ाई में अव्वल आए, प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाए और आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक या प्रशासनिक अधिकारी बने। निसंदेह जीवन में सफलता, उत्कृष्ट शिक्षा और व्यावसायिक उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं लेकिन केवल ऊंचे पद और बड़ी डिग्रियां किसी व्यक्ति को महान नहीं बनाती। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चे को सफल बनाने के साथ-साथ उसे एक संवेदनशील, विवेकशील, जिम्मेदार और अच्छा इंसान बनाना भी होना चाहिए। यदि ज्ञान के साथ संस्कार, चरित्र और मानवीय मूल्यों का विकास नहीं हुआ तो ऐसी शिक्षा अधूरी ही मानी जाएगी। हर बच्चे को नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यावहारिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ी शिक्षा मिलनी चाहिए ताकि वह जीवन की कठिन परिस्थितियों में सही और गलत के बीच अंतर कर सके तथा अपने विवेक से बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने में सक्षम बने।

राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करता जीएसएलवी-एफ17 का प्रक्षेपण

इसरो, जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2:55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है।

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला है। यह मिशन अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-05 (जिसे पहले जीआई सैट-1ए कहा जाता था) को अंतरिक्ष में ले जाएगा। ईओएस-05 एक अत्याधुनिक इमेजिंग सैटेलाइट है जिसे आपदाओं के समय तेज़ी से तस्वीरें लेने के लिए बनाया गया है। इसरो ने ही इस स्पेसक्राफ्ट को विकसित किया है और इसका लॉन्च के समय वज़न 2,367 किलोग्राम होगा।

ईओएस-05/जीआई सैट-1ए उस कमी को पूरा करेगा जो 2021 में ईओएस-03/जीआई सैट-1 के लॉन्च में आई रुकावट के कारण पैदा हुई थी। जीएसएलवी-एफ 10 मिशन इसके क्रायोजेनिक अपर स्टेज में तकनीकी खराबी के कारण विफल हो गया था। हालांकि लिफ्ट-ऑफ के बाद पहला और दूसरा स्टेज सामान्य रूप से काम कर रहे थे, लेकिन तीसरे स्टेज का क्रायोजेनिक इंजन चालू नहीं हो पाया, जिससे ईओएस-03 सैटेलाइट का नुकसान हो गया।

इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन के अनुसार, ईओएस-05 सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 36,000 किलोमीटर ऊपर स्थित होकर पूरे देश की लगातार निगरानी करेगा। पीएसएलवी रॉकेट की लगातार दो विफलताओं के बाद, इसरो अपने अगले लॉन्च के लिए तैयार है। यह सैटेलाइट ठीक वैसे ही काम करेगा जैसे कोई पर्यवेक्षक ऊँची जगह से पूरे गाँव पर नज़र रखता है।

डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो की योजना मार्च 2027 तक सात रॉकेट लॉन्च करने की है, जिसमें गगनयान मिशन (जीआई मिशन) की पहली बिना क्रू वाली उड़ान भी शामिल है। मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए, इसरो का लक्ष्य 12 सैटेलाइट बनाना और आठ रॉकेट लॉन्च करना है। ये मिशन संचार, नेविगेशन, पृथ्वी की निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान को बेहतर बनाएंगे, साथ ही भविष्य में मानव अंतरिक्ष उड़ान और खोज के लिए आधार भी तैयार करेंगे।

इसरो, जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2:55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है। जीएसएलवी-एफ 17 को 29 अगस्त 2026 को रात लगभग 8 बजे दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) पर ले जाया गया। यह मिशन एक अहम चरण में पहुँच गया है, क्योंकि रॉकेट को टेक-ऑफ से पहले व्हीकल इंटीग्रेशन सेंटर (वीआईसी) से लॉन्च पैड पर ले जाया गया है।

यह मिशन ईओएस-05 GEO इमेजिंग सैटेलाइट (जीआई सैट-1ए) को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में भेजेगा। इस ऑर्बिट का पेरिगी (पृथ्वी के सबसे करीब का बिंदु) 170 किमी और एपोजी (सबसे दूर का बिंदु) 28,934 किमी होगा।

2025 और 2026 की शुरुआत में लगातार दो पीएसएलवी मिशन फेल होने के बाद, इस मिशन पर बारीकी से नज़र रखी जाएगी और इसके हर पहलू की विस्तार से जांच की जाएगी। इसरो पिछले आठ महीनों में कोई सफल रॉकेट लॉन्च नहीं कर पाया है, लेकिन अब एजेंसी एक बड़ी वापसी के लिए तैयार है।

इसरो ने गड़बड़ी के कारणों की जांच के लिए लॉन्च रोक दिए थे, जिससे जीएसएलवी-एफ 17/ईओएस-05 मिशन उसके लॉन्च प्रोग्राम में भरोसा बहाल करने का एक अहम मौका बन गया है। उम्मीद है कि यह सैटेलाइट भारत की पृथ्वी की निगरानी, इमेजिंग और डेटा-आधारित गतिविधियों को बेहतर बनाएगा। यह मिशन भारत की अंतरिक्ष-आधारित पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं में एक बड़ी प्रगति है और इससे और भी एडवांस्ड सैटेलाइट सिस्टम के विकास में मदद मिलेगी।

ईओएस-05 एक पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट है जिसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारतीय उपमहाद्वीप और आसपास के क्षेत्रों की लगभग रियल-टाइम, हाई-टेम्पोरल-रिज़ॉल्यूशन वाली इमेजिंग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ईओएस-05 के मुख्य उद्देश्य साफ मौसम (बिना बादलों के) में बार-बार और बड़े इलाके की निगरानी करने पर केंद्रित हैं। सैटेलाइट की मुख्य क्षमताओं और लक्ष्यों में ये शामिल हैं: ईओएस-05 विज़िबल/नियर-इन्फ्रारेड और शॉर्ट-वेव इन्फ्रारेड बैंड में मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज लेता है। यह लगभग हर पाँच मिनट में चुनिंदा क्षेत्रों और हर तीस मिनट में पूरे भारतीय भू-भाग की इमेज लेता है, और मल्टीस्पेक्ट्रल मोड में लगभग 42 मीटर का स्थानिक रिज़ॉल्यूशन (स्पेशियल रिज़ॉल्यूशन) हासिल करता है।

यह सैटेलाइट पृथ्वी के घूमने के साथ एक निश्चित स्थिति बनाए रखते हुए, लगभग 36,000 किमी की जियोसिंक्रोनस ऊंचाई से लगातार निगरानी करने में सक्षम बनाता है। यह कॉन्फ़िगरेशन एक ही बड़े इलाके को लगातार या लगभग लगातार कवर करता है, जबकि लो-अर्थ-ऑर्बिट इमेजिंग सैटेलाइट्स कुछ खास जगहों के ऊपर से केवल कभी-कभी ही गुज़रते हैं।

इन क्षमताओं से जो मुख्य काम किए जा सकते हैं, उनमें ये शामिल हैं:

(i) प्राकृतिक आपदाओं और अचानक होने वाली घटनाओं, जैसे चक्रवात, बाढ़, जंगल की आग, बादल फटने और आंधी-तूफान के लिए तेज़ी से निगरानी और समय रहते चेतावनी देना।

(ii) मौसम पर नज़र रखना और पर्यावरण की निगरानी करना।

(iii) खेती, वानिकी और प्राकृतिक संसाधनों का आकलन, जिसमें फसल की स्थिति, पेड़-पौधों की सेहत और जल निकायों की निगरानी शामिल है।

(iv) रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए निगरानी, जिसमें राष्ट्रीय सीमाओं जैसे महत्वपूर्ण इलाकों पर लगातार नज़र रखना शामिल है। टेलीस्कोपमॉडल देखें

जीएसएलवी-एफ 17 मिशन इसरो का कुल मिलाकर 103वां और 2026 का दूसरा मिशन है। यह जीएसएलवी मार्क I और II के लिए 19वां और साल का पहला मिशन है। जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एक एक्सपेंडेबल लॉन्च सिस्टम है, जो जीएसएलवी मार्क III से अलग है। जीएसएलवी मार्क-I में रूसी क्रायोजेनिक स्टेज का इस्तेमाल किया गया है, जबकि मार्क-II में भारत में बना अपर स्टेज इस्तेमाल होता है; तीसरे स्टेज को छोड़कर दोनों वर्शन का कॉन्फ़िगरेशन एक जैसा है। यह व्हीकल पीएसएलवी के भरोसेमंद पार्ट्स जैसे S125/S139 सॉलिड रॉकेट बूस्टर और विकास इंजन का इस्तेमाल करता है। 18 लॉन्च में से जीएसएलवी को 12 बार सफलता मिली है, जबकि चार बार पूरी तरह और दो बार आंशिक रूप से असफलता का सामना करना पड़ा है, जिससे इसकी सफलता दर 72.2% रही है।

व्यंग्य

प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई

2001-20 में भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच घरानों के हाथ में गया। रिलायंस, अडानी, बिड़ला, जिंदल और टाटा- समूहों का अब कॉरपोरेट राजस्व पर असाधारण नियंत्रण है।

बीती चौथाई सदी (1991 से) में अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सार है कि इनके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर पांच बड़े औद्योगिक घरानों का वर्चस्व कायम हो गया है। 2001 से 2020 भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा उन्हीं पांच घरानों के हाथ में गया। उसके बाद ये रुझान और मजबूत ही हुआ है। चार अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार और वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित वर्किंग पेपर ₹बिजनेस ग्रुप्स, कंसंट्रेशन एंड मार्केट पावर इन इंडिया₹ के मुताबिक रिलायंस, अडानी, बिड़ला (आदित्य), ओपी जिंदल और टाटा- समूहों का कॉरपोरेट राजस्व और आर्थिक शक्ति पर असाधारण नियंत्रण बन चुका है।

अध्ययनकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 1991 के बाद लाइसेंस राज खत्म होने, सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आर्थिक क्षेत्रों को आरक्षित रखने का चलन घटने, कंपनियों का अधिग्रहण एवं विलय आसान होने, व्यापार एवं विदेशी मुद्रा निवेश के लिए नियमों को आसान बनाए जाने, तथा नया प्रतिस्पर्धा अधिनियम अस्तित्व में आने से आरंभिक दिनों में उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई। लेकिन पारिवार आधारित बड़े कारोबारी घराने जल्द ही अपने संपर्कों के जरिए अधिक लाभ उठा सकने की हैसियत में पहुंच गए। 'राष्ट्रीय चैंपियनÓ (बड़े घरानों को सरकारी प्राथमिकता देने) की नीति अपनाने के बाद (मुख्यतः नरेंद्र मोदी राज में) यह परिघटना और मजबूत हो गई।

2020 आते-आते शीर्ष 25 पारिवारिक व्यापार समूहों का राजस्व भारत की जीडीपी के 15 प्रतिशत से अधिक हो गया था। वैसे, 2010-11 की सबसे बड़े समूहों की रैंकिंग पर ध्यान दें, तो साफ होता है कि तब से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। यह बाजार पर चंद घरानों के दीर्घकालिक वर्चस्व का उदाहरण है। वर्किंग पेपर के मुताबिक पहले अत्यधिक वर्चस्व रखने वाले सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र के प्रभाव में सिकुड़न आने से आरंभ में समग्र बाजार संकेंद्रण घटा। लेकिन जल्द ही बड़े औद्योगिक घरानों ने ज्यादातर खुले नए क्षेत्रों में प्रवेश कर लिया। यह निष्कर्ष आम अनुभव और पहले हुए अध्ययनों के नतीजों के अनुरूप ही है। यह स्थिति बताती है कि क्यों भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र वृद्धि दर हासिल करने के बावजूद आम जन की बुनियादी आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

ब्लॉग

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने यूरोप के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

नीरज कुमार दुबे

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है।

भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है।
सरकारीएजेंसियां

लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है।

बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं।
राजनीति

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया।

साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा। यह मात्र नौसैनिक दौरा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का संकेत है।

इसके अलावा, भारत और बेल्जियम ने आतंकवाद के खिलाफ भी मजबूत साझा रुख अपनाया है। बेल्जियम ने पहलगाम में 2025 के आतंकी हमले की निंदा दोहराई और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई। दोनों देशों ने आतंकवाद, उसके सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं, सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच समझौता संगठित अपराध और साइबर अपराध के खिलाफ सहयोग को नई ताकत देगा। सूचना साझा करने, भगोड़ों का पता लगाने और क्षमता निर्माण में यह समझौता महत्वपूर्ण होगा।

साथ ही हरित ऊर्जा सहयोग भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा पर नए एमओयू के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा, बायो-एनर्जी और पंप्ड स्टोरेज में सहयोग बढ़ेगा। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर परिवहन, भंडारण और अंतिम उपयोग तक पूरी वैल्यू चेन में साझेदारी की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में विकसित हो रहे विशाल ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया।

समुद्री और बंदरगाह सहयोग भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एंटवर्प और फ्लैंडर्स की बंदरगाह विशेषज्ञता, भारत के तेजी से विकसित होते बंदरगाह नेटवर्क और हिंद महासागर में भारत की भूमिका मिलकर नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं। लॉजिस्टिक्स, ड्रेजिंग, बंदरगाह विकास और अपतटीय पवन ऊर्जा में बेल्जियम की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी हो सकती है।

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने एक बार फिर विस्तारित और सुधारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे की अस्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया।

यूक्रेन और पश्चिम एशिया पर दोनों देशों ने संवाद और कूटनीति के जरिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता पर जोर दिया। यह भारत की उस विदेश नीति के अनुरूप है जो किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय संवाद, बहुपक्षवाद और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देती है।

देखा जाये तो भारत-बेल्जियम संबंधों का नया अध्याय प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक कूटनीतिक सोच को दर्शाता है। मोदी ने पुराने हीरा व्यापार को आधुनिक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का प्रयास किया है। अब एंटवर्प-मुंबई-सूरत का संबंध सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, रक्षा उत्पादन, समुद्री संपर्क और निवेश से जुड़ रहा है। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि भारत ने यूरोप के साथ अपने संबंधों को केवल बाजार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें सुरक्षा, तकनीक और भू-राजनीति से जोड़ दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की सफलता इस बात में है कि भारत आज एक साथ अमेरिका, यूरोप, रूस और ग्लोबल साउथ के साथ अपने हितों के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ा रहा है। बेल्जियम के साथ यह नई साझेदारी भी उसी संतुलित और बहुआयामी कूटनीति का उदाहरण है।

बहरहाल, हीरों की चमक से शुरू हुआ भारत-बेल्जियम संबंध अब हाई-टेक, हरित ऊर्जा और रक्षा सहयोग की नई रोशनी में प्रवेश कर रहा है। यदि तय समझौते जमीन पर उतरे, तो यह साझेदारी केवल दो देशों के रिश्तों को नहीं, बल्कि भारत-यूरोप के पूरे रणनीतिक समीकरण को नई दिशा दे सकती है।

सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर की मस्जिद ध्वस्त

सहारनपुर जाने से पहले इकरा हसन हाउस अरेस्ट ›› मस्जिद मामले में इकरा हसन ने कोर्ट जाने की बात कही

मायावती ने की निंदा ›› AIMIM ने मस्जिद कार्रवाई को लेकर अखिलेश यादव पर साधा निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एक मस्जिद को प्रशासन ने अवैध बताते हुए ध्वस्त कर दिया। मस्जिद पर हुए बुलडोजर एक्शन पर सूबे की सियासत गरमा गई है। विपक्षी दलों ने इसको लेकर योगी सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा है। वहीं समाजवादी पार्टी की सांसद ने इकरा हसन ने भी इस मुद्दे को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है और कोर्ट जाने की बात कही है।

कैराना सांसद इकरा हसन ने कहा कि वो सहारनपुर में मस्जिद ढहने के मामले में कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें तानाशाही के तहत हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्होंने संविधान का गला घोंटने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई मोहलत नहीं दी गई, जबकि टेररिस्ट को मोहलत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की मस्जिद पर प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू होता है। उन्होंने कहा कि हमें हाई कोर्ट भी जाने का वक्त नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि इसकी माफी नहीं होगी।

'संविधान का गला घोंटा जा रहा है...'

इकरा हसन ने कहा कि ये 1947 से पहले की बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को दर किनार करते हुए वहां पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि संविधान का गला घोंटा जा रहा है और नियम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है। उन्होंने साफ कहा कि वो इस मामले को लेकर लोग कोर्ट जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगर सभी निर्णय केवल सरकार की मनमर्जी से लिए जाएंगे, तो कानून व्यवस्था या न्यायिक प्रणाली की कोई जरूरत ही नहीं रह जाएगी।

'इसकी कोई माफी नहीं...'

सपा सांसद ने कहा 'यह बेहद शर्मनाक घटना है। यह इतना गंभीर पाप है कि उन्हें निश्चित रूप से इसका दंड भुगतना पड़ेगा। कोई माफी नहीं होगी। हम इस मामले को कोर्ट में ले जाएंगे यह हमारा अधिकार है'। सांसद ने कहा कि जिस तरीके से उन्होंने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है, वह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि लोकतंत्र की हत्या कैसे की गई है। उन्होंने कहा कि इस देश और इस राज्य में हमारे संविधान और कानून के शासन को पूरी तरह से कमजोर किया जा रहा है।

'तो अदालतों को बंद कर देना चाहिए...'

उन्होंने कहा कि हर जगह 'त्वरित न्याय' को अपनाया जा रहा है। अगर इसी तरह से शासन चलना है, तो अदालतों को बंद कर देना ही बेहतर होगा, अगर सभी फैसले केवल सरकार की मनमर्जी से लिए जाएंगे, तो कानून-व्यवस्था या न्यायिक प्रणाली की कोई आवश्यकता ही नहीं रह जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विध्वंस राजनीतिक रूप से प्रेरित था और इसका उद्देश्य एक विशेष समुदाय को चोट पहुंचाना था।

AIMIM का अखिलेश पर हमला

इधर सहारनपुर में मस्जिद गिराने को लेकर AIMIM ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता शादाब चौहान ने मस्जिद को गिराने के लिए अखिलेश को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव दो दिन पहले सहारनपुर गए थे उसके बाद मस्जिद गिर गई। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख ने सरकार से फिक्सिंग की हुई है। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो मुस्लिम वोट से जीत हैं और मुस्लिमों के साथ ही खड़े नहीं हैं।

इकरा हसन को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

दरअसल जनपद शामली के कैराना कैराना से सांसद इकरा हसन सहारनपुर में हुए मस्जिद प्रकरण को लेकर अधिकारियों से मिलने और बातचीत करने के लिए अपने आवास से निकल रही थीं। तभी उन्हें पुलिस ने रोक लिया और जाने नहीं दिया। लिस अधिकारियों ने उन्हें कहा- मैडम आप नहीं जा सकती। इस पर इकरा हसन ने पुलिस से वजह पूछी। इस दौरान सपा सांसद और पुलिस के बीच आधी रात बीच सड़क पर कुछ देर तक बहस भी होती रहीं। जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस दौरान उनके साथ उनकी मां और पूर्व सांसद तबस्सुम हसन भी वहीं मौजूद थीं।सुबह यह खबर सामने आई कि इकरा हसन को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। कार्रवाई की जानकारी के बाद सांसद इकरा हसन शनिवार को सहारनपुर जाने वाली थीं। उनका मकसद मौके के हालात का जायजा लेना और अधिकारियों से मुलाकात करना था। लेकिन उनके सहारनपुर रवाना होने से पहले ही पुलिस उनके आवास पर पहुंच गई। रात से ही पुलिस की तैनाती रही और उन्हें घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई।

मस्जिद के खिलाफ कार्रवाई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिटी मजिस्ट्रेट ने पिछले महीने मस्जिद को अवैध मानते हुए उसके ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। मुस्लिम पक्ष ने इस आदेश के खिलाफ जिला एवं सत्र न्यायालय का रुख किया था। कोर्ट ने पहले सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश पर रोक लगाई थी। हालांकि, शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष की ओर से किया गया दावा खारिज कर दिया गया। इसके बाद प्रशासन ने मस्जिद के खिलाफ कार्रवाई की।

कैराना की सांसद इकरा हसन को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट, सहारनपुर जा रही थीं सपा MP

शामली। उत्तर प्रदेश में शामली कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। इकरा हसन सहारनपुर जा रही थी। पुलिस ने उन्हें देर रात हाउस अरेस्ट किया। फिलहाल, उनके घर पर भारी पुलिस बल तैनात है। दरअसल, सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित मस्जिद को लेकर चल रहा विवाद शनिवार सुबह अचानक बुलडोजर एक्शन में बदल गया। इकरा हसन यहीं पर जा रही थीं। शुक्रवार रात से ही मस्जिद को गिराए जाने की अफवाह शहर में तेजी से फैल रही थी। रात बढ़ने के साथ कलेक्ट्रेट के आसपास पुलिस की मौजूदगी बढ़ती गई। शनिवार तड़के करीब चार बजे प्रशासन ने मस्जिद को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह तक मस्जिद का एक हिस्सा जमींदोज किया जा चुका था। पूरी इमारत को हटाने के लिए 6 बुलडोजर लगाए गए हैं। कार्रवाई के बीच पूरे सहारनपुर जिले में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। संवेदनशील स्थानों पर PAC और RRF की तैनाती की गई है। दमकल की गाड़ियां भी अलग-अलग स्थानों पर लगाई गई हैं। पुलिस प्रशासन ने किसी भी तरह की भीड़ या तनाव की स्थिति से निपटने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। कलेक्ट्रेट जैसे संवेदनशील परिसर में शुक्रवार रात अचानक भारी पुलिस फोर्स की तैनाती से अफवाहों को और हवा मिली। कलेक्ट्रेट के पांचों गेट बंद कर दिए गए। नेताओं और स्थानीय लोगों को परिसर के अंदर जाने से रोक दिया गया। बाहर भी पुलिस और RRF की तैनाती कर दी गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद सपा विधायक आशु मलिक, सपा MLC शाहनवाज खान समेत कई नेता कलेक्ट्रेट पहुंचे, लेकिन उन्हें गेट के बाहर ही रोक दिया गया। देर रात कई नेताओं की जिलाधिकारी अरविंद चौहान से मुलाकात भी हुई। नेताओं की ओर से मस्जिद पर तत्काल कार्रवाई की आशंका जताई गई थी। उस समय प्रशासन की ओर से मस्जिद को सील किए जाने की बात कही गई, जिससे मुस्लिम पक्ष के लोगों को तत्काल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं होने की उम्मीद बनी रही। हालांकि, शनिवार तड़के करीब चार बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू हो गई।

मायावती ने की निंदा

वहीं इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाजवादी पार्टी की अध्यक्ष मायावती का भी बयान सामने आया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में मस्जिदों को गिराए जाने की निंदा कर योगी सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने कानून कानून का शासन लागू करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए मायावती ने कहा 'जिला सहारनपुर की मस्जिद सहित पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन मस्जिदों को काफी आपाधापी में अवैध बताकर उनको ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चल रहा है वह ठीक नहीं है। सरकार को ऐसे निगेटिव हालात से बचने के लिये इस पर तुरंत रोक लगाकर इसके समाधान के अन्य उपाय जरूर करने चाहिए। वैसे भी एक संवैधानिक सेक्युलर सरकार द्वारा सभी धर्मों के मानने वालों एवं उनके धार्मिक स्थलों आदि का एक समान आदर-सम्मान व उनकी सुरक्षा करने का उत्तरदायित्व बनता है। मायावती ने कहा कि इस्लाम मजहब में मस्जिदें हर दिन इबादत बल्कि दिन में कई बार जमात के साथ नमाज पढ़ने का मुख्य व अभिन्न अंग हैं, जिसको ध्यान में रखकर व भारतीय परम्परा के अनुसार सम्मान देना देश व व्यापक जनहित में जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही बिना नियम-कानून का समुचित अनुपालन किए हुए किसी भी अभियुक्त का मकान ध्वस्त करके उसके पूरे परिवार को सामूहिक तौर पर सज़ा देकर बेघर बार कर देने की कार्रवाईयों से भी लोग काफी विचलित हैं। ऐसे में बीएसपी सरकार की तरह का क़ानून द्वारा कानून का राज का व्यवहार जरूरी है। मायावती ने कहा 'अत: केवल सरकार ही नहीं बल्कि माननीय न्यायालय भी इस ओर समुचित ध्यान दें तो यह उचित होगा। लेकिन ऐसे हालात में सभी लोग सौहार्दपूर्ण वातावरण भी ज़रूर बना कर रखें, पार्टी की यह भी अपील है'।

संक्षेप

युवती पर कुल्हाड़ी से हमले का वीडियो वायरल

जौनपुर। मुँगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के लौह भिखपुर गांव में दबंगों द्वारा घर में घुसकर एक परिवार पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने परिवार के सदस्यों के साथ जमकर मारपीट की, जिसमें भाई समेत कई लोग घायल हो गए।घटना के दौरान एक युवती पर कुल्हाड़ी से जानलेवा वार करने का भी आरोप लगाया गया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति हाथ में कुल्हाड़ी लेकर मारने के लिए दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। परिजनों के मुताबिक, दबंगों ने घर में घुसकर अचानक हमला किया और परिवार के सदस्यों को पीटा। मारपीट में कई लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत और वीडियो के आधार पर पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादक के निधन पर जताया शोक

जौनपुर। अखिल भारतीय सम्पादक मण्डल के द्वारा शनिवार को सरदार पटेल सेवा संस्थान पर शोक सभा किया। इस दौरान शान्ति संसार के सम्पादक रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव के निधन पर शोक जताया गया।जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल की अध्यक्षता में हुई शोकसभा में उपस्थित सम्पादकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवगंत आत्मा की शान्ति के लिये ईश्वर से प्रार्थना किया। साथ ही कहा कि दुख की इस घड़ी में परिजनों को ईश्वर शक्ति दें।श्री श्रीवास्तव के निधन से पत्रकारिता जगत सहित हम सभी के लिये अपूरणीय क्षति है।शोक सभा में अखिल भारतीय सम्पादक मण्डल के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग के सेवाओं की जानकारी ली

जौनपुर। मिर्जापुर के एआरटीओ उदयवीर सिंह ने शनिवार जौनपुर एआरटीओ कार्यालय का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण की जानकारी मिलते ही कार्यालय के बाहर संचालित सभी दुकानें बंद हो गईं। एआरटीओ ने कार्यालय के कामकाज और जनता को मिल रही परिवहन विभाग की सेवाओं की जानकारी ली। एआरटीओ उदयवीर सिंह ने बताया- निरीक्षण परिवहन आयुक्त के निर्देश पर किया गया है। इसका उद्देश्य यह देखना है कि जनता को परिवहन विभाग की योजनाओं और सेवाओं का लाभ सही तरीके से मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि विभाग में जहां भी कमियां सामने आ रही हैं, उन्हें चिन्हित कर सुधार किया जा रहा है।एआरटीओ ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक रकम लिए जाने के प्रमाण मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पिछले दिनों भी कई लोगों पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम तक कार्यालय में रेट सूची और सिटीजन चार्टर लगाने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि लोगों को निर्धारित शुल्क और सेवाओं की जानकारी स्पष्ट रूप से मिल सके।

हादसे में दो घायल

जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र के अब्बोपुर मार्ग पर शनिवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे में एक घायल के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, दूसरे घायल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मनायी गयी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

जौनपुर बदलापुर क्षेत्र के बरौली स्थित संत भंगड़ दास कुटी पर हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनायी गयी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहा।अर्धरात्रि को जन्म के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा हाथी घोड़ा पालकी जयकन्हैया लाल की कि उद्घोष से पूरा पंडाल गुंजायमान हो गया। ततपश्चात मंदिर के पुजारी केशवदास उर्फ गोल्हई महराज ने आरतीपूजन वंदन कर प्रसाद वितरण किया। इस दौरान सोनू सिंह, पूर्व सभासद नन्हकू यादव, मोहन शुक्ल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मनुष्य जीवन का उद्देश्य, परमात्मा की प्राप्ति

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में जोन का जोन स्तरीय निरंकारी महिला समागम नौपेड़वां बाजार स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन के प्रांगण में केंद्रीय प्राचारिका शालिनी पांडेय लखनऊ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के 43 शाखाओं से बहनों ने भाग लिया। उन्होने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य परमात्मा को प्राप्त करना है जो पूर्ण सद्गुरु की अपार कृपा द्वारा ही संभव है। बताया कि मनुष्य जीवन का असली मकसद ब्रह्म ज्ञान प्राप्ति करना है जो पूर्ण सतगुरु की शरण में आने से ही होता है। ज्ञान की प्राप्ति के पश्चात सहनशीलता तथा नम्रता के गुण सहज ही आ जाते हैं। यह मनुष्य जीवन बड़ा अमोलक है इसको संभाल के रखना हमारा फर्ज है यह जीवन हमें 84 लाख योनियों के पश्चात मिलता है हमें इस निरंकार की भक्ति के लिए निरंतर सत्संग करते हुए अपने मन को सेवा सिमरन और सत्संग में लगाना चाहिए। उन्होंने गृहस्थी जीवन में रहते हुए भी भक्ति करते हुए अपने पवित्र गुणों से परिवार को संभालती हैं और प्रभु परमात्मा की भक्ति के लिए प्रेरित करती हैं और महिलाएं ही अपने परिवार को प्रभु भक्ति और गुरु मर्यादा से जोड़कर घर को स्वर्ग बना लेती हैं आज के युग में महिलाएं हर क्षेत्र में उन्नति कर रही है। महिला सत्संग हमारे जीवन का लगातार चलने वाला अंग बनना चाहिए। संगतो में बहनों की अधिकतम उपस्थिति और समर्पित भागीदारी होनी चाहिए। जोनल इंचार्ज अमरनाथ विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न शाखाओं से आई बहनों ने हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी भाषा में अपनी श्रद्धा व्यक्त की ।

तरक्की, जलन और 20 दिन का वो मौत के बाद 'जिंदा' रखने का नाटक... प्रयागराज के आलोक गुप्ता हत्याकांड की खुलीं नई परतें

» प्रयागराज के फोटोग्राफर आलोक गुप्ता की हत्या का खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवा फोटोग्राफर अचानक लापता हो गया, जिसके बाद उसके परिवार वाले पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के बद पुलिस मामले की जांच शुरू की। जांच में सामने आया है कि 27 वर्षीय फोटोग्राफर आलोक गुप्ता की हत्या कर दी गई। उसकी हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके ही दोस्त ने की।

पुलिस ने इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए हत्याकांड के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला। इसमें तीन लोग एक बड़ा नीला बैग ले जाते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने सबूत इकट्ठा करना शुरू किया। उसी समय सूचना मिली कि मध्य प्रदेश के रीवा में एक अज्ञात शव मिला है। पुलिस ने दोनों घटनाओं के बीच संबंध की जांच शुरू की। इसके बाद आलोक गुप्ता की हत्या का मामला सुलझ गया। पुलिस के मुताबिक, शुभान तिवारी ने अपने दोस्तों शुभम यादव और अंकुश यादव की मदद से अपने दोस्त आलोक की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर तीनों ने आलोक के शव को एक नीले बैग में भरकर कार में रखा और उसे ठिकाने लगाने के लिए प्रयागराज से सैकड़ों किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के रीवा जिले में ले गए।

आलोक एक पेशेवर फोटोग्राफर था और शादियों और अन्य कार्यक्रमों की तस्वीरें खींचकर अपना जीवन यापन करता था। हत्या के समय आलोक की प्रेमिका उनसे बात रही थी। शव को ठिकाने लगाते समय आरोपियों को आलोक का मोबाइल फोन मिला। आलोक के जीवित होने का दिखावा करने और हत्या की बात को सार्वजनिक होने से रोकने के लिए आरोपियों ने आलोक के फोन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।

20 दिनों तक आरोपियों ने की आलोक के फोन से बात

आलोक के जीवन के सामान्य रूप से चलने का नाटक करते हुए, उन्होंने 20 दिनों तक आलोक के मोबाइल फोन पर उसकी प्रेमिका और कई अन्य लोगों से बातचीत की। हालांकि, आलोक के परिवार ने पहले ही गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करा दी थी। इसलिए पुलिस जांच में कोई ढिलाई नहीं बरती गई। आलोक के मोबाइल फोन की गतिविधि ने पुलिस को मामले की तह तक पहुंचने में काफी मदद की।

आखिरकार, पुलिस ने सभी आरोपियों को सुबेदारगंज स्थित पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक अवैध पिस्तौल और कारतूसों का जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आलोक की आमदनी अच्छी थी, जिससे शुभम के मन में उसके प्रति नाराजगी और जलन बढ़ती चली गई। इसी रंजिश के चलते शुभम ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

ताने सुने, समझाया... पर हैवान बन गए ससुराल वाले, बरेली में शादी के 5 महीने बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भोजीपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत तजुआ गांव में शादी के महज पांच महीने बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका का शव घर के टीनशेड में फंदे पर लटका मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही रोते-बिलखते पहुंचे मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर कम दहेज के लिए बेटी को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने और उसकी हत्या कर शव लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है।

बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव अहमदाबाद निवासी किसान राम सिंह ने अपनी बेटी संगीता की शादी 22 अप्रैल 2026 को भोजीपुरा के तजुआ निवासी धारा सिंह के साथ की थी। मृतका के पिता का आरोप है कि शादी के कुछ ही दिनों बाद से ससुराल वाले संगीता को कम दहेज लाने के ताने देने लगे थे और उसके साथ मारपीट की जाती थी। संगीता ने कई बार फोन पर मायके वालों को इस बात की जानकारी दी थी। इसके बाद पिता राम सिंह ने खुद बेटी के घर जाकर ससुराल पक्ष को समझाने का प्रयास भी किया था, लेकिन प्रताड़ना का दौर थमा नहीं।

टीनशेड में फंदे पर लटका मिला शव

संगीता की मौत की सूचना पाकर जब मायके वाले आनन-फानन में तजुआ गांव पहुंचे, तो बेटी का शव घर की टीनशेड में कुंडे से लटका हुआ था। यह नजारा देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मायके पक्ष की सूचना पर डायल 112 और धौंराटांडा चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक पवन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पति और ससुर हिरासत में, 5 लोगों पर FIR दर्ज

मृतका के पिता राम सिंह की लिखित तहरीर पर भोजीपुरा पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है। इसमें मृतका के पति धारा सिंह, ससुर जगदीश सिंह, ननद सुदामा, रजनी (पत्नी संतोष कुमार) और संतोष कुमार (निवासी करमपुर चौधरी, थाना इज्जतनगर) शामिल हैं। इनके खिलाफ दहेज हत्या और प्रताड़ना से जुड़ी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

सीओ हाईवे देवेश सिंह ने बताया कि मृतका के पति धारा सिंह और ससुर जगदीश सिंह को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी, जिसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता ने फाँसी लगाकर दिया जान

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के बन्दीपुर गांव में एक विवाहिता ने शुक्रवार की रात को घर के निकट एक खम्भे से फाँसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।विवाहिता मानसिक बीमार बतायी जा रही है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।उक्त गांव निवासी करन राजभर पुत्र बचानू राजभर बंगलोर में किसी फैक्टरी में काम करता था।पांच वर्ष पहले उसने असम प्रदेश की तुलसी से बंगलोर में शादी कर लिया था।लडकी के मायके का कोई नही था।कुछ दिन पूर्व करन पत्नी को लिवाकर बंगलौर से घर आया था।तुलसी की विक्षिप्त बतायी जा रही है।शुक्रवार की शाम को करन राजभर किसी परिचित के बीमार होने की सूचना पर उन्हें देखने शहर में स्थित एक नर्सिंग होम में चला गया था।वह देर रात को जब घर आया तो तुलसी घर पर नही थी।वह उसे आस पास व सिरकोनी स्टेशन तक खोजबीन कर लौट आया।

आतंकी मामलों में फंसा देंगे नोएडा में कारोबारी को 26 दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, ठगे 1.45 करोड़

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में साइबर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस और जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर यहां के सेक्टर 78 निवासी 63 वर्षीय कारोबारी मनोज अग्रवाल से 1।45 करोड़ की ठगी कर ली। ठगों ने मनोज को आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग के केस में फसाने का डर दिखाया। इसके बाद उन्हें करीब 26 दिन तक वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट रखा और किसी से भी संपर्क नहीं करने दिया। गिरफ्तारी और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में मनोज से कुल 1 करोड़ 45 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। मामले में साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस के मुताबिक, 27 जुलाई 2026 को मनोज अग्रवाल के व्हाट्सएप पर एक व्यक्ति ने कॉल किया। उसने अपना नाम रंजीत कुमार बताते हुए खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया।

कारोबारी को दी गई गिरफ्तारी की धमकी

फोन करने वाले आरोपी ने कारोबारी को एक आपराधिक मामले में शामिल होने की बात कही और गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद ठगों ने कतिथ तौर पर यूपी एसटीएफ और एनआईए के अधिकारियों के नाम का इस्तेमाल करते हुए कारोबारी पर दबाव बढ़ाया और उन्हें बताया कि उनका नाम आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में सामने आया है। उनको वीडियो कॉल पर रहने और किसी अन्य व्यक्ति से संपर्क नहीं करने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनको यह धमकी दी गई कि यदि उन्होंने आरोपियों की बात नहीं मानी तो उनके बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। इसके बाद ठगी का सिलसिला 27 जुलाई से 31 अगस्त तक चलता रहा।

प्रक्रिया पर हुआ कारोबारी को शक

इस दौरान अलग-अलग तारीखों में कारोबारी से रकम ट्रांसफर कराई गई। 7 अगस्त को 95।5 लाख 11 अगस्त को 20।20 लाख और 31 अगस्त को 20 लाख तथा 10 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवाए गए। इस तरह कुल 1 करोड़ 45 लाख रुपये ठगों के बताए गए खातों में पहुच गए। लगातार रकम की मांग और पूरी प्रक्रिया को लेकर कारोबारी को शक हुआ। इसके बाद मनोज को अपने साथ साइबर ठगी का एहसास हुआ। फिर ठगों ने उनसे संपर्क तोड़ दिया। तब उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इस पूरे मामले में नोएडा की डीसीपी साइबर सेल सशैव्या गोयल ने बताया कि साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है।

दाल-रोटी की थाली से पैकेज्ड फूड तक, बदल गया भारतीयों का खानपान

भारतीयों की थाली में पैकेज्ड और जंक फूड्स ज्यादा मिलते हैं। एक समय था जब मोटे अनाज और सब्जियां ही मेन डाइट हुआ करती थी। जानें भारतीयों की थाली में कैसे बदलाव आया और इसके क्या नुकसान हैं?

भारतीय खानपान की पहचान लंबे समय से रोटी, चावल, दाल, सब्जी, दही और घर के बने भोजन से रही है। लेकिन समय के साथ हमारी प्लेट में काफी बदलाव आया है। पहले जहां भोजन में मोटे अनाज, दालें, सब्जियां और घर का बना खाना ज्यादा खाया जाता था। वहीं अब रिफाइंड अनाज, सफेद चावल, मैदा से बनी चीजें और पैकेज्ड व प्रोसेस्ड फूड की हिस्सेदारी बढ़ी है। नाश्ते में मैदा वाली ब्रेड, लंच-डिनर में फ्रोजन फूड्स को खाना अब ट्रेंड है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कहता है कि शहरीकरण, बदलती जीवनशैली और प्रोसेस्ड फूड्स का आसानी से मिलना, इन तरीकों ने लोगों के खानपान को प्रभावित किया है।

ऐसे खाने में अक्सर एनर्जी, सॉल्ट, शुगर और अनहेल्दी फैटी की मात्रा ज्यादा होती है। डब्ल्यूएचओ ही कहती है कि हमें दिन भर में 0।6 ग्राम नमक खाना चाहिए। लेकिन लोग इससे कहीं ज्यादा नमक नॉर्मली खा जाते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि भारतीयों की थाली में क्या-क्या बदलाव आए हैं और इस वजह से कौन-कौन से खतरे बढ़ गए हैं।

खेती के तरीके ने भी बदली अनाज की तस्वीर

डॉक्टर नीरज गोयल (डायरेक्टर एंड सीनियर कंसलटेंट, जीआई सर्जरी, जीआई ओनकोलॉजी, धर्मशीला नारायणा हॉस्पिटल) का कहना है कि हमारे भोजन में बदलाव सिर्फ रसोई तक सीमित नहीं है। खेती, अनाज की प्रोसेसिंग और बाजार में उपलब्ध खाने की चीजों में बदलाव का असर भी हमारी प्लेट पर पड़ा है। ट्रेडिशनली इस्तेमाल किए जाने वाले कई मोटे और कम प्रोसेस्ड अनाज अब रोजमर्रा के भोजन में उतनी प्रमुखता से शामिल नहीं हैं, जबकि पॉलिश किए हुए चावल और रिफाइंड गेहूं से बने उत्पाद ज्यादा आसानी से उपलब्ध हैं।

अनाज को ज्यादा प्रोसेस और रिफाइन करने से उसमें मौजूद कुछ फाइबर और पोषक तत्व कम हो सकते हैं। इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर केवल कार्बोहाइड्रेट की मात्रा नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं।

आटे में मैदा की मिलावट क्यों चिंता की बात?

रोटी भारतीय भोजन का अहम हिस्सा है, लेकिन हर रोटी समान नहीं होती। अगर आटे में मैदा या अत्यधिक रिफाइंड आटा शामिल है, तो इससे भोजन में फाइबर की मात्रा कम हो सकती है। समस्या खासतौर पर तब बढ़ती है जब पूरी डाइट में साबुत अनाज, दाल, सब्जियां और अन्य फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ कम हों। हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि हर जगह आटे में मिलावट हो रही है या मैदा मिला आटा सीधे बीमारी पैदा करता है। दिक्कत इसमें है कि अब रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट पर ज्यादा डिपेंडेंसी और डाइट में की कमी है।

चावल भी दुश्मन नहीं, पर मात्रा मायने रखती है

चावल को पूरी तरह से डाइट से हटाने की जरूरत नहीं है। चावल कार्बोहाइड्रेट और ऊर्जा का अहम सोर्स है। समस्या तब हो सकती है जब प्लेट का ज्यादातर पार्ट चावल या किसी दूसरे रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से भर जाए। उसमें दाल, सब्जियां, प्रोटीन और फाइबर की पर्याप्त मात्रा न हो। हाल के भारतीय डेटा में कम गुणवत्ता वाले कार्बोहाइड्रेट, जिनमें सफेद चावल और रिफाइंड अनाज शामिल हैं, को मेटाबॉलिक स्वास्थ्य के कुछ जोखिमों से जोड़ा गया है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि रोटी खाएं या चावल?, बल्कि यह है कि प्लेट में रोटी या चावल के साथ क्या और कितनी मात्रा में है?

अनाज की मिलावट से भी बढ़ता है जोखिम

खाने की गुणवत्ता पर बात करते समय मिलावट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अनाज और आटे में मिलावट या खराब क्वालिटी वाले प्रोडक्ट्स का यूज न्यूट्रिशन और फूड सेफ्टी दोनों के लिहाज से चिंता का विषय हो सकता है। हालांकि, हर पैकेट या हर खुले अनाज को मिलावटी मान लेना भी सही नहीं है। ऐसे में उपभोक्ताओं को भरोसेमंद सोर्स से अनाज और आटा खरीदना चाहिए। इसके अलावा पैकेज्ड फूड्स या प्रोडक्ट्स पर लेबल देखना चाहिए और भोजन में एक ही अनाज पर निर्भर रहने के बजाय बदलाव भी करना चाहिए।

प्लेट से ज्यादा लाइफस्टाइल में बदलाव

भारतीय प्लेट में बदलाव के साथ हमारी रोजमर्रा की एक्टिविटी भी कम हुई हैं। पहले लोग रोजाना चलना, सीढ़ियां चढ़ना, घरेलू काम और दूसरी फिजिकल एक्टिविटी ज्यादा करते थे। आज लंबे समय तक बैठकर काम करना, स्क्रीन टाइम और मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट पर निर्भरता बढ़ने से कई लोगों का फिजिकली एक्टिव रहना कम हो गया है।

अगर प्लेट में कैलोरी और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट ज्यादा हैं पर बॉडी उस एनर्जी का ठीक से यूज नहीं कर पा रही है, तो आगे चलकर वजन बढ़ने और मेटाबॉलिक हेल्थ पर बुरा असर पड़ने का खतरा बढ़ सकता है।

कैसी होनी चाहिए हमारी प्लेट?

विशेषज्ञों के अनुसार स्वस्थ प्लेट का मतलब रोटी या चावल को पूरी तरह छोड़ना नहीं है। जरूरत है बैलेंस और ऑप्शन की। खाने में साबुत या कम प्रोसेस्ड अनाज, दालें, सब्जियां, फल, पर्याप्त प्रोटीन और हेल्दी फैट को शामिल करना जरूरी है। थाली में सिर्फ रोटी या चावल की मात्रा कम करना ही समाधान नहीं है। सबसे जरूरी है कि फिजिकल एक्टिव भी रहें। क्योंकि अब लोग घर से बाहर कम निकलते हैं और जंक फूड खाने के ज्यादा आदी हो गए हैं।

पहले 2 साल बच्चे को न दें चीनी, आगे चलकर दूर रह सकती हैं कई बीमारियां: स्टडी

जन्म के बाद बच्चे को कब तक शुगर नहीं देनी चाहिए इस पर एक नई रिसर्च सामने आई है। अगर माएं 2 साल तक बच्चे को शुगर नहीं खिलाती है तो इससे कैंसर समेत कई बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

न्यूबॉर्न मदर की ये टेंशन रहती है कि वो अपने नवजात बच्चे या शिशु को क्या खिलाएं और क्या नहीं? इसमें सबसे बड़ा कंफ्यूजन शुगर को लेकर रहता है कि बच्चे को इसे कब से खिलाना शुरू करना चाहिए। यूएसए की प्रोसीडिंग ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस की नई स्टडी (पीएनएएस) कहती है कि बच्चों को 2 साल तक शुगर न खिलाने से कई फायदे होते हैं। स्टडी के मुताबिक ये तरीका आगे चलकर वयस्कों में कैंसर के खतरे को भी कम कर सकता है। भारत में नई माएं अपने बच्चे को जन्म लेने के कुछ समय बाद ही दूध में शक्कर मिलाकर पिलाने लगती हैं।

इसका असर उम्र बढ़ने पर नजर आता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे के पैदा होने के बाद ही उसे कुछ समय तक सफेद चीनी से दूर रखते हैं तो इसके ढेरों फायदे मिलते हैं। जानें इस पर एक्सपर्ट की राय...

क्या कहती है ये रिसर्च?

पीएनएएस की रिसर्च कहती है कि अगर बच्चे की लाइफ के शुरुआती 1000 दिनों में उसे चीनी का सेवन न कराया जाए या कम कराया जाए तो इससे कैंसर होने का खतरा काफी कम हो सकता है। रिसर्चर्स ने ये रिजल्ट ब्रिटेन में हुई एक अनोखी ऐतिहासिक घटना के अध्ययन के आधार पर निकाला। दरअसल, सितंबर 1953 में ब्रिटेन में चीनी का राशन खत्म कर दिया गया था। इस दौरान लोगों की चीनी की खपत को सीमित करके अपेक्षाकृत स्वस्थ स्तर पर रखा गया था। लेकिन जैसे ही सरकार ने ये प्रतिबंध हटाए, चीनी की खपत तुरंत लगभग दोगुनी हो गई। इस स्टडी में 64000 वयस्कों का हेल्थ डेटा कंपेयर किया गया। ये लोग चीनी की राशनिंग खत्म होने से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद पैदा हुए थे। वैज्ञानिकों ने दोनों समूहों की लंबे समय की सेहत में काफी बड़ा अंतर पाया।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

डॉक्टर विपिन चंद्र उपाध्याय (जिला अस्पताल, गाजियाबाद) कहते हैं कि चीनी कम खाने से बाद में टाइप 2 डायबिटीज और दूसरी मेटाबॉलिक बीमारी कम होती है। कैंसर का रिस्क कम होगा ऐसा हर मामले में एक जैसा नहीं है। वैसे इसका मतलब ये भी नहीं है कि बच्चे को बिल्कुल भी मीठा नहीं खिलाना चाहिए। डॉ विपिन के मुताबिक, बचपन से ही ज्यादा मीठा खाने की आदत आगे चलकर टाइप-2 डायबिटीज और दूसरी मेटाबॉलिक बीमारियों के जोखिम को बढ़ा सकती है। इन बीमारियों का संबंध मोटापा, शरीर में इंसुलिन के सही तरीके से काम न करने और लंबे समय तक ज्यादा कैलोरी लेने जैसी स्थितियों से भी हो सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि बच्चे को जिंदगीभर मिठाई, चॉकलेट या दूसरी मीठी चीजें बिल्कुल नहीं खिलानी चाहिए। असली बात कितनी मात्रा और कितनी बार है। कभी-कभार थोड़ी मात्रा में मीठा देना और रोजाना मीठे पेय, पैकेज्ड स्नैक्स या बहुत ज्यादा चीनी वाली चीजें देने में फर्क है।

इन बातों का रखें खास ध्यान

माता-पिता बच्चों को फल, दूध, दाल, सब्जियां, साबुत अनाज और पर्याप्त प्रोटीन जैसे पौष्टिक विकल्प दें। साथ ही बच्चे को रोजाना शारीरिक गतिविधि की आदत डालना भी जरूरी है। यानी बच्चों की सेहत के लिए लक्ष्य मीठा पूरी तरह बंद करना नहीं, बल्कि उसकी आदत और मात्रा को नियंत्रित करना होना चाहिए। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ। ब्रह्मानंद लाल ने बताया कि कम मात्रा में चीनी खाना सेहत के लिए फायदेमंद है। अगर बचपन में मीठा कम खाएं तो बाद में इसी तरह की हैबिट रहती है। जिससे कई बीमारियों का रिस्क कम होता है।

PCOD की वजह से मां बनने की उम्मीद छूटी, आयुर्वेदिक इलाज से नेचुरली हुई प्रेग्नेंट

मां बनना एक खूबसूरत एहसास है लेकिन प्रेगनेंसी पीरियड अपने साथ कई चुनौतियां भी लाता है। दिक्कत तब बढ़ती है जब कोई महिला प्रेगनेंट होना चाहती हो लेकिन हेल्थ इश्यू की वजह से ऐसा न हो पा रहा हो। एक महिला को पीसीओडी था लेकिन हैरान करने वाली बात ही वो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट के जरिए मां बन पाई। दरअसल, मां बनने का इंतजार किसी भी महिला के लिए भावनात्मक सफर होता है। जब इस दौरान पीसीओडी जैसी समस्या का पता चलता है तो चिंता और बढ़ जाती है।

विजयलक्ष्मी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। पीसीओडी का पता चलने के बाद उनके मन में भी कई सवाल थे। परिवार और आसपास के लोगों के सवाल—अभी तक बच्चा क्यों नहीं हुआ? उनके लिए परेशानी बढ़ाने वाले थे। लेकिन उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी। उन्होंने आयुर्वेद पद्धित से अपना इलाज कराया और नेचुरली बच्चा कंसीव किया।

एक्सपर्ट ने क्या कहा?

डॉ। चंचल शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद के इलाज से महिला की जिंदगी में वह खुशखबरी आई, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। डॉ चंचल बताती हैं कि पीसीओडी का मतलब हमेशा मां बनने में परेशानी नहीं पीसीओडी यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर महिलाओं में होने वाली एक आम हार्मोनल समस्या है।

इसमें पीरियड्स अनियमित हो सकते हैं, वजन बढ़ सकता है और शरीर में हार्मोन का संतुलन प्रभावित हो सकता है। कुछ महिलाओं में ओव्यूलेशन यानी अंडे के रिलीज होने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है, जिससे गर्भधारण में दिक्कत आ सकती है। हालांकि, पीसीओडी का मतलब यह नहीं है कि महिला मां नहीं बन सकती। कई महिलाएं उचित चिकित्सकीय देखभाल, जीवनशैली में बदलाव और जरूरत के अनुसार उपचार के बाद गर्भधारण करती हैं।

हर महिला की कहानी अलग होती है

इनफर्टिलिटी या गर्भधारण में परेशानी के कई कारण हो सकते हैं। पीसीओडी के अलावा ट्यूब में ब्लॉकेज, एंडोमेट्रियोसिस, ओव्यूलेशन से जुड़ी समस्या, उम्र और पुरुष साथी से जुड़े कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। इसलिए केवल किसी एक उपचार को हर महिला के लिए समान रूप से प्रभावी मानना सही नहीं है।

विजयलक्ष्मी के मामले में आयुर्वेदिक उपचार और चिकित्सकीय मार्गदर्शन के बाद उन्हें गर्भधारण की खुशी मिली। उनकी कहानी उन महिलाओं के लिए उम्मीद जरूर जगाती है जो PCOD या गर्भधारण से जुड़ी किसी समस्या से गुजर रही हैं।

मां बनने की राह में सबसे जरूरी है कि समस्या का सही समय पर पता चले और विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार उपचार लिया जाए। बीमारी का पता चलना सफर का अंत नहीं है। सही देखभाल और उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन के साथ आगे की राह बेहतर हो सकती है।

50 की उम्र में चाहिए 1 करोड़ का फंड? हर महीने कितने की करनी होगी एसआईपी

रिटायरमेंट तक 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना अब बिल्कुल मुश्किल नहीं है। सही उम्र में म्यूचुअल फंड एसआईपी शुरू करके ये लक्ष्य आसानी से पूरा हो सकता है। जानिए उम्र के हिसाब से कितना निवेश जरूरी है।

कंपाउंडिंग की ताकत से 1 करोड़ का फंड बनाना बहुत आसान है

स्टेप-अप SIP के जरिए कम शुरुआती रकम से भी बड़ा टारगेट पा सकते हैं

हर कोई चाहता है कि रिटायरमेंट के समय उसके पास एक अच्छा-खासा फंड हो। 50 साल की उम्र तक 1 करोड़ रुपये का कॉर्पस बनाना एक बेहतरीन वित्तीय लक्ष्य है। कुछ लोग जल्दी निवेश शुरू कर देते हैं, जबकि कई लोग देर कर देते हैं जिससे उन्हें कंपाउंडिंग का फायदा नहीं मिल पाता। आप कब शुरुआत करते हैं, इस पर ही तय होता है कि लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आपको हर महीने कितने रुपये निवेश करने होंगे।

म्यूचुअल फंड की सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के जरिए अपनी सैलरी के हिसाब से हर महीने एक फिक्स रकम निवेश की जा सकती है। लॉन्ग टर्म में इक्विटी म्यूचुअल फंड महंगाई को मात देने में काफी कारगर साबित हुए हैं। अगर ऐतिहासिक डेटा देखें, तो इक्विटी फंड्स ने शानदार प्रदर्शन किया है। आगे की कैलकुलेशन के लिए हम एक सुरक्षित औसत 12% सालाना रिटर्न मानकर चल रहे हैं।

30 की उम्र में निवेश का फायदा

अगर आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं, तो आपके पास 50 की उम्र तक पहुंचने के लिए 20 साल का लंबा वक्त होता है। इस दौरान आपको कंपाउंडिंग का सबसे ज्यादा फायदा मिलता है।

टारगेट: 1 करोड़ रुपये

निवेश की अवधि: 20 साल
अनुमानित सालाना रिटर्न: 12%
जरूरी मासिक SIP: 10,875 रुपये

35 या 40 की उम्र में निवेश का गणित

जैसे-जैसे निवेश शुरू करने में देरी होती है, मासिक SIP की रकम तेजी से बढ़ने लगती है। 35 साल की उम्र में आपके पास सिर्फ 15 साल बचते हैं, जबकि 40 साल में आपके पास महज 10 साल का समय होता है।

35 की उम्र से शुरुआत: 15 साल के निवेश के लिए मासिक SIP लगभग 21,020 रुपये होनी चाहिए। ये 30 साल की उम्र में निवेश करने वालों की तुलना में 93% अधिक है।

40 की उम्र से शुरुआत: 10 साल में 1 करोड़ बनाने के लिए हर महीने लगभग 46,640 रुपये निवेश करने होंगे। यहां अवधि आधी होने पर SIP की रकम चार गुना से ज्यादा बढ़ जाती है।

स्टेप-अप SIP से कम करें बोझ

अगर आप शुरुआत में ही बड़ी रकम की SIP नहीं कर सकते, तो स्टेप-अप SIP एक बहुत बेहतरीन विकल्प है। इसमें आप छोटी रकम से शुरुआत करते हैं। फिर जैसे-जैसे आपकी आमदनी बढ़ती है, आप हर साल SIP की रकम में एक तय प्रतिशत का इजाफा कर सकते हैं। 5% सालाना बढ़ोतरी के साथ 1 करोड़ का फंड बनाने का गणित कुछ इस तरह काम करता है:

30 साल की उम्र: नॉर्मल 10,875 रुपये की जगह आप महज 7,850 रुपये की मासिक SIP से शुरुआत कर सकते हैं।

35 साल की उम्र: 21,020 रुपये के बजाय 16,160 रुपये की शुरुआती मासिक SIP से काम चल जाएगा।

40 साल की उम्र: 46,640 रुपये की बड़ी रकम के बदले आप 37,130 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं।

कोटक सिक्योरिटीज ने चुने ये 10 दमदार शेयर, त्योहारी सीजन में करा सकते हैं आपकी अच्छी कमाई!

त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ शेयर बाजार में भी भारी रौनक लौटने की उम्मीद है। कोटक सिक्योरिटीज ने 10 ऐसे बेहतरीन शेयरों की लिस्ट जारी की है जो इस त्योहारी मांग में शानदार रिटर्न दे सकते हैं।

भारत में त्योहारी सीजन की दस्तक के साथ ही बाजारों में एक नई ऊर्जा दिखने लगी है। गणेश चतुर्थी से शुरू होकर नवरात्रि, दुर्गा पूजा से होते हुए धनतेरस व दिवाली तक चलने वाला ये समय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम होता है। इस दौरान खरीदारी तेजी से बढ़ती है जिससे कई कंपनियों का मुनाफा उछाल मारता है। बजाज ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान तनाव के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने थोड़ी चिंता जरूर बढ़ाई है, लेकिन शहरी इलाकों की मजबूत मांग बाजार को पूरी तरह से सहारा दे रही है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार त्योहारी सीजन में प्रीमियम उत्पादों की बिक्री जबरदस्त रहने वाली है। स्मार्टफोन, आभूषण, यात्रा व महंगे ब्रांडेड कपड़ों की मांग में भारी तेजी देखी जा रही है। अच्छी नौकरियां, कम होती ब्याज दरें व कर्ज लेने की आसान सुविधाएं लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ा रही हैं।

ई कॉमर्स सेक्टर में दिखेगा जबरदस्त उछाल

इस बार छोटे शहर यानी टियर-2 व टियर-3 शहर भी डिजिटल शॉपिंग में बड़े महानगरों को सीधी टक्कर दे रहे हैं। इंटरनेट की बढ़ती पहुंच ने ई-कॉमर्स को सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में खड़ा कर दिया है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार, निवेशकों को कंज्यूमर फेसिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) पर पैनी नजर रखनी चाहिए। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी इस त्योहारी सीजन में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के टॉप 10 पसंदीदा शेयर

कोटक सिक्योरिटीज के हेड इक्विटी रिसर्च श्रीकांत चौहान ने त्योहारी मांग को देखते हुए ऐसे 10 शेयरों की लिस्ट साझा की है, जो निवेशकों को भारी फायदा पहुंचा सकते हैं।

महंगाई के साथ कमजोर मानसून का डर भी कायम

बाजार में इतनी सकारात्मकता के बाद भी कुछ जोखिम ऐसे हैं जिन पर नजर रखना बेहद जरूरी है। मानसून का प्रदर्शन उम्मीद से काफी कमजोर रहा है। अगस्त के अंत तक सामान्य से 14 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। इसका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की क्रय शक्ति पर पड़ सकता है। टू-व्हीलर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स व एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी मांग ग्रामीण इलाकों से ही आती है। अगर फसल खराब होने से किसानों की आय घटती है, तो कंपनियों की बिक्री का आंकड़ा बिगड़ सकता है। वहीं कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतें महंगाई को हवा दे सकती हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।कोटक सिक्योरिटीज ने चुने ये 10 दमदार शेयर, त्योहारी सीजन में करा सकते हैं आपकी अच्छी कमाई!

त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ शेयर बाजार में भी भारी रौनक लौटने की उम्मीद है। कोटक सिक्योरिटीज ने 10 ऐसे बेहतरीन शेयरों की लिस्ट जारी की है जो इस त्योहारी मांग में शानदार रिटर्न दे सकते हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के टॉप 10 पसंदीदा शेयर

कोटक सिक्योरिटीज के हेड इक्विटी रिसर्च श्रीकांत चौहान ने त्योहारी मांग को देखते हुए ऐसे 10 शेयरों की लिस्ट साझा की है, जो निवेशकों को भारी फायदा पहुंचा सकते हैं.

M&M: ट्रैक्टर व कमर्शियल वाहन सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन व मजबूत एसयूवी लाइनअप के चलते ये शेयर पहली पसंद बना हुआ है.

Eicher Motors: रॉयल एनफील्ड की लगातार बढ़ती बिक्री व 250 सीसी सेगमेंट में उतरने की चर्चा इसे खास बना रही है.

Eternal (Zomato): जोमैटो व ब्लिंकिट की पेरेंट कंपनी तेजी से मुनाफे की ओर बढ़ रही है. क्विक कॉमर्स इसका सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बन गया है.

Nykaa: ब्यूटी व पर्सनल केयर बाजार में प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग इस ई-कॉमर्स कंपनी को लंबी अवधि में काफी फायदा देगी.

Apollo Hospitals: बेहतरीन अस्पताल नेटवर्क, क्षमता विस्तार व फार्मेसी के मुनाफे में सुधार के कारण ये पसंदीदा हेल्थकेयर शेयर है.

Dr. Lal PathLabs: टेस्ट वॉल्यूम में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी व मजबूत नेटवर्क के चलते कंपनी का प्रदर्शन काफी मजबूत दिख रहा है.

ICICI Bank: नेट एनपीए के ऐतिहासिक निचले स्तर पर होने व शानदार एसेट क्वालिटी इसे बैंकिंग सेक्टर का बेहतरीन शेयर बनाती है.

Axis Bank: होम व एजुकेशन लोन के जरिए रिटेल सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे इस बैंक का आउटलुक काफी सकारात्मक है.

Shriram Finance: हाल ही में मिली कैपिटल फंडिंग व मजबूत रेटिंग की बदौलत इसका मार्जिन व एयूएम ग्रोथ काफी शानदार रहने वाला है.

Bajaj Finance: लगातार 22 प्रतिशत की एयूएम ग्रोथ व क्रेडिट कॉस्ट में आती गिरावट इस शेयर को त्योहारी सीजन का खास पिक बनाती है.

कमजोर मानसून कैसे कर सकता है बाजार की पूरी उम्मीदों को खराब?

भारत में त्योहारी सीजन की दस्तक के साथ ही बाजारों में एक नई ऊर्जा दिखने लगी है। गणेश चतुर्थी से शुरू होकर नवरात्रि, दुर्गा पूजा से होते हुए धनतेरस व दिवाली तक चलने वाला ये समय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम होता है। इस दौरान खरीदारी तेजी से बढ़ती है जिससे कई कंपनियों का मुनाफा उछाल मारता है। बजाज ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान तनाव के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने थोड़ी चिंता जरूर बढ़ाई है, लेकिन शहरी इलाकों की मजबूत मांग बाजार को पूरी तरह से सहारा दे रही है।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात: पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी, JDAM किट-बमों से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिक्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएमयू-572 जेडीएएम गाइडेंस किट और 5,000 केएमयू-556 जेडीएएम गाइडेंस किट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएलयू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएलयू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं। डील में फ्यूज सिस्टम, टारगेट डिटेक्टर, कंटेनर, स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है?

अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिक्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदा और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब की अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी।

क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा?

अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिक्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है।

क्या इस हथियार सौदे का पश्चिम एशिया के तनाव से भी संबंध है?

यह संभावित हथियार सौदा ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष, सऊदी अरब को निशाना बनाकर हुए हमलों और यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। ऐसे माहौल में सऊदी अरब अपनी जमीन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई तथा मिसाइल खतरों से बचाने की क्षमता मजबूत करना चाहता है।

क्या अमेरिका और सऊदी अरब के रिश्ते सिर्फ रक्षा तक सीमित हैं?

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हालिया सहयोग केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है। एक महीने से ज्यादा समय पहले दोनों देशों ने शांतिपूर्ण परमाणु सहयोग के लिए भी समझौते किए थे। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट और सऊदी ऊर्जा मंत्री अब्दुलअजीज बिन सलमान ने शांतिपूर्ण परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसे आम तौर पर '123 समझौता' कहा जाता है। इसके साथ द्विपक्षीय सुरक्षा उपायों से जुड़ा समझौता भी हुआ था।

अमेरिकी ऊर्जा विभाग के मुताबिक, 123 समझौता से अमेरिकी कंपनियों को सऊदी अरब के उभरते नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में ज्यादा पहुंच मिल सकती है। इसके साथ अमेरिकी उद्योग, कामगारों और सप्लाई चेन को भी लाभ पहुंचाने की बात कही गई है। दोनों समझौते परमाणु सुरक्षा, सुरक्षा मानकों और परमाणु अप्रसार को मजबूत करने के साथ अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रणनीतिक सहयोग बढ़ाने के लिए आधार तैयार करते हैं।

क्या हथियार और परमाणु समझौते रिश्तों की नई दिशा दिखाते हैं?

हालिया हथियार बिक्री की संभावित मंजूरी और परमाणु सहयोग समझौते अमेरिका-सऊदी रणनीतिक रिश्तों के व्यापक दायरे को दिखाते हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिक परमाणु क्षेत्र तक फैला हुआ है। बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल के बीच वॉशिंगटन और रियाद के बीच यह साझेदारी आने वाले समय में और महत्वपूर्ण हो सकती है।

नेपाल जलप्रलय के 10 दिन: सैलाब में 600 बच्चे भी समाए, मलबे में अपनों की तलाश..., कई भारतीय इलाकों पर बढ़ा खतरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई आपदा ने पूरी दुनिया को हैरान कर के रख दिया है। अब खबर सामने आई है कि इस आपदा में करीब 600 बच्चे भी लापता हैं। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी आपदा के बाद 10वें दिन भी सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। सेना के जवान दिन रात मलबे में जिंदगी की तलाश कर रहे हैं। रसुवा से लेकर नुआकोट तक चप्पे-चप्पे पर लोगों को तलाश किया जा रहा है। इस बीच एक दुखी कर देने वाली खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, नेपाल में बाढ़ के कारण आई तबाही में रसुवा और नुवाकोट इलाके में लगभग 600 बच्चे भी लापता बताए जा रहे हैं।

स्थानीय सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा जो आंकड़े जुटाए गए हैं उसके अनुसार, रसुवा में करीब 280 बच्चे लापता बताए जा रहे हैं। वहीं, नुवाकोट में करीब 300 से 350 बच्चों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ लापता छात्रों का पता लगा है लेकिन जिले में कम से कम 300 छात्र लापता हैं। रसुवा में 16 शिक्षक और नुवाकोट में छह शिक्षक भी लापता बताए जा रहे हैं। बता दें कि नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने बताया था कि बाढ़ के कारण रसुवा, नुवाकोट और धादिंग में 22 स्कूल प्रभावित हुए थे। इनमें से 12 स्कूल पूरी तरह तबाह हो गये थे।

चमेलिया नदी में पानी जमा होने से भारतीय इलाकों पर बढ़ा खतरा

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ (झूलाघाट) से आई रिपोर्ट के मुताबिक पहाड़ में हुए भूस्खलन से नदी का प्रवाह रुक गया है। नेपाल की चमेलिया नदी में पानी जमा होने से भारतीय क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। भट्टाड़ के पास पहाड़ी से भूस्खलन होने से इस नदी का प्रवाह रुक गया है और यहां कृत्रिम झील बन गई है। यदि झील टूटी तो इसका पानी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बहने वाली काली नदी में मिलकर भारतीय क्षेत्रों में तबाही मचा सकता है। यही चमेलिया नदी भारतीय क्षेत्र गेठीगाड़ाके सिमपानी और नेपाल के सेरा में काली नदी में मिलती है। यही काली नदी झूलाघाट, पंचेश्वर होते हुए टनकपुर पहुंचती है। अपि हिमाल गांव पालिका के वार्ड अध्यक्ष भगत सिंह ठेकरे बोहरा ने बताया कि नेपाल के दार्चुला के अपिहिमाल गांव पालिका, वार्ड नंबर एक, भट्टाड़ नामक स्थान पर पहाड़ी का बड़ा हिस्सा टूटकर चमेलिया नदी में गिर गया है। नदी का प्रवाह थमने से यहां कृत्रिम झील बनने लगी है। ऐसे में झील टूटी तो इसका पानी रसुवा की तरह काली नदी से सटे नेपाल के साथ ही भारतीय क्षेत्रों में बड़ी तबाही का कारण बन सकता है।

भट्टाड़ के 15 परिवारों को किया जा चुका है शिफ्ट

अपिहिमाल गांव पालिका के वार्ड अध्यक्ष भगत सिंह ठेकरे से मिली जानकारी के अनुसार, भट्टाड़ में चमेलिया नदी के खतरे को देखते हुए इसके किनारे बसे 15 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया है। घटना की सूचना भी दार्चुला प्रशासन को दी गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है इससे पहाड़ी के और टूटने का खतरा बना हुआ है। यदि ऐसा हुआ तो यह बड़ी समस्या बन सकता है।

सिक्किम की 16 हिमनद झीलें कभी भी मचा सकती हैं तबाही

हिमालय में तेजी से बदलते मौसम के बीच सिक्किम में हिमनद झीलों का खतरा बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने 40 हिमनद झीलों की पहचान जोखिम वाली झीलों के तौर पर की है। इनमें 16 सबसे अधिक जोखिम वाली श्रेणी-ए में हैं। जीएलओएफ जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित मीडिया कार्यशाला में सिक्किम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव संदीप तांबे ने बताया कि दो झीलें श्रेणी-बी यानी उच्च जोखिम और नौ श्रेणी-सी यानी मध्यम से कम जोखिम वाली हैं। 13 झीलों को अभी वर्गीकृत नहीं किया गया है।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजी रिपोर्ट

राज्य सरकार ने शाको छो को जीएलओएफ यानी हिमनद झील के अचानक फटने से आने वाली बाढ़ के लिहाज से सबसे संवेदनशील माना है। इस पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजी गई है। प्रारंभिक रिपोर्ट जल शक्ति मंत्रालय को भी दी जा चुकी है।

169 भारतीय अब तक सुरक्षित बचाए गए: विदेश मंत्रालय ने बताया कि तीन और भारतीयों को बचाया गया। अब तक 169 भारतीयों को निकाला गया है।

हमने कर दिखाया...सुरंग में फंसे और लोगों को बचाएंगे अर्नोल्ड, सिलक्यारा में मदद करने वाले ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ की निगरानी में चल रहा अभियान

भारत में 2023 में सिलक्यारा सुरंग (उत्तराखंड) में फंसे मजदूरों को बचाने में मदद करने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने शुक्रवार को नेपाल में दो लोगों को जिंदा बचाए जाने की घटने की पर कहा, हमने कर दिया। साथ ही, उम्मीद जताई कि आगे और भी लोगों को सुरक्षित बचाया जाएगा। वह विक्टोरिया के मोनबुलक स्थित अपने घर से नेपाल में चल रहे बचाव अभियान की निगरानी कर रहे थे। डिक्स ने बताया, हेलिकॉप्टरों से आ रही सैटेलाइट तस्वीरों का उपयोग करके टीम को यह पहचानने में मदद की कि त्रिशूली-3 जल विद्युत संयंत्र पहले कहां पर था। फिर उसकी तुलना इंजीनियरिंग के नक्शों से की गई। तब पता लगाया कि ड्रिलिंग कहां करनी है।

एक दिन पहले ही कहा था- सुरंग सुरक्षित, जिंदा होंगे लोग

डिक्स ने एक दिन पहले ही पोस्ट में सुरंग से लोगों के जीवित निकलने की संभावना जताई थी। उन्होंने लिखा था, सुरंग एक इंजीनियर की बनाई ऐसी जगह होती हैं जो मौसम के असर से सुरक्षित रहती है।

गरबा–डांडिया में मुस्लिमों की नो एंट्री, विश्व हिंदू परिषद् ने जारी किया नियमों की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस के संगठन विश्व हिंदू परिषद् ने महाराष्ट्र में नवरात्रि के गरबा-डांडिया कार्यक्रमों में मुसलमानों की भागीदारी पर रोक लगाने का फैसला किया है। इसके लिए कड़े नियम भी लागू किए जाएंगे। इस उत्सव का आयोजन 10 दिनों तक चलेगा। इसके साथ ही VHP ने दक्षिणपंथी कट्टरपंथी संगठन ने आयोजकों के लिए एक लिस्ट भी जारी की है। इस लिस्ट में वो क्या करें और क्या न करें इसके बारे में बताया गया है। हाल ही में न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के 'सबमें एक ही तत्व'की बात कही थी। सभी समुदायों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा था कि हर इंसान की गरिमा होती है। राज्य भर में नवरात्रि कार्यक्रमों में मुसलमानों की भागीदारी पर रोक के बारे में बात करते हुए, VHP के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संयुक्त सचिव श्रीराज नायर ने कहा, "हमने नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा-डांडिया नृत्य में मुसलमानों की भागीदारी की अनुमति न देने का फैसला लिया है।" वीएचपी की तरफ से लिस्ट में बताया गया है कि कार्यक्रम में शामिल होने वालों के आधार कार्ड की जांच और उनकी हिंदू पहचान की पुष्टि के लिए उनके माथे पर तिलक लगे होने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया, "नवरात्रि उत्सव केवल गीत और नृत्य के बारे में नहीं है। ये उत्सव देवी की पूजा के बारे में है। जो मुसलमान मूर्ति पूजा के खिलाफ हैं, वे इस उत्सव में क्यों शामिल हों?" हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नवरात्रि कार्यक्रमों में मुसलमानों को शामिल न होने देने का मतलब यह नहीं है कि VHP किसी समुदाय के खिलाफ है।

लद्दाख की मांगों को लेकर आर-पार की तैयारी?:

एलएबी की सरकार के साथ बैठक, बातचीत से पहले आंदोलन की दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 9 सितंबर को गृह मंत्रालय (एमएचए) के साथ होने वाली सब-कमेटी की बैठक से पहले लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने चेतावनी दी है। एलएबी ने कहा है कि अगर सरकार उनकी मुख्य मांगों पर ठोस प्रगति करने में नाकाम रहती है, तो वे अपना आंदोलन और तेज कर देंगे। लद्दाख के लिए केंद्र शासित प्रदेश के स्तर पर कानून बनाने. अनुच्छेद 371 के तहत सुरक्षा उपाय। पिछले साल 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद दर्ज मामलों को वापस लेने, पीड़ितों को मुआवजा देने और जांच आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग कर रहा है।

दरअसल, अगस्त 2019 में लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिलने के बाद से एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) मिलकर इन मांगों को लेकर आंदोलन चला रहे हैं। 2021 से केंद्र सरकार के साथ कई दौर की बातचीत कर चुके हैं। एलएबी के चेयरमैन चेरिंग दोरजे लकरूक ने कहा कि हालांकि ग्रुप एमएचए के साथ बैठक का स्वागत करता है, लेकिन वह बातचीत के नतीजों के आधार पर ही इसका आकलन करेगा। उन्होंने कहा, 'अगर बैठक का नतीजा सकारात्मक रहता है। इन मुद्दों पर रचनात्मक और नतीजे देने वाली बातचीत होती है, तो हम इसका स्वागत करेंगे। वरना, हम अपना आंदोलन और तेज कर देंगे।'

इसके साथ ही लाक्रुक ने पिछले साल 24 सितंबर की उन घटनाओं की जांच के लिए बनाए गए जांच आयोग की रिपोर्ट में देरी पर भी निराशा जताई, जिनमें चार लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने 24 सितंबर की हिंसा के सिलसिले में जिन लोगों पर केस दर्ज किए गए थे, उनके मामलों के अभी तक लंबित रहने पर भी सवाल उठाए।

लाक्रुक ने क्या आरोप लगाया?

दिल्ली में 20 जुलाई की जंतर-मंतर घटना से जुड़े केस वापस लेने के कदम का स्वागत करते हुए, उन्होंने लद्दाख के मामले में केंद्र पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। लक्रुक के अनुसार, पिछले साल हुई हिंसा से जुड़े 80 मामलों में से अब तक सिर्फ 25 मामले ही वापस लिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी भारतीय हैं। सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। लद्दाख के लोगों की जान इतनी सस्ती नहीं है।'

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने क्या कहा?

इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा कि एलएबी पिछले साल मारे गए, घायल हुए और जेल गए लोगों की याद में सितंबर को शहीद माह के तौर पर मना रहा है। वांगचुक ने कहा कि कई कार्यक्रम तय किए गए थे, लेकिन कारगिल से लेह तक की प्रस्तावित पदयात्रा, जो 10 सितंबर को शुरू होने वाली थी, उसे एमएचए के साथ एक दिन पहले होने वाली बातचीत को देखते हुए टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर 9 सितंबर की बातचीत से कोई संतोषजनक नतीजा नहीं निकलता है, तो मार्च को फिर से शुरू किया जा सकता है। अगर ऐसी स्थिति बनती है, तो मार्च 24 सितंबर से लगभग पांच दिन पहले आयोजित किया जाएगा। वांगचुक ने कहा, 'हम एक बार फिर पूरे भारत के लोगों से अपील करेंगे कि वे लद्दाख के समर्थन में, पर्यावरण के समर्थन में और देश की सीमाओं पर डटे लद्दाख के लोगों के समर्थन में आगे आएं।' उन्होंने कहा कि एपेक्स बॉडी को उम्मीद है कि सरकार 9 सितंबर की बैठक में प्रस्तावित लद्दाख विधानसभा पर एक विस्तृत ड्राफ्ट पेश करेगी, जिसमें उसकी शक्तियों और अधिकारों का भी जिक्र होगा।

'मेरी खुशकिस्मती है कि...', अक्षय कुमार ने एक बार फिर असरानी को किया याद, पोस्ट शेयर कर लिखा भावुक नोट

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने एक बार फिर दिग्गज कलाकार असरानी को याद किया है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर उनके लिए खास नोट लिखा। जानिए पोस्ट में क्या कुछ है खास।

दिग्गज अभिनेता असरानी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'हैवान' होगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता अक्षय कुमार ने फिल्म से असरानी का एक मजेदार सीन शेयर किया है और उन्हें भावुक अंदाज में याद किया है। खास बात है। इस फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान एक बार फिर साथ नजर आएंगे। दोनों की जोड़ी को आखिरी बार साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'टशन' में देखा गया था। यानी करीब 18 साल बाद दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म का सीन किया शेयर

अक्षय कुमार ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर 'हैवान' का एक वीडियो शेयर किया। इस क्लिप में असरानी अभिनेता शारिब हाशमी के साथ मजेदार बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सीन में शारिब, असरानी के किरदार से उनका नाम पूछते हैं।

जब असरानी जवाब देते हैं, 'हुसैन', तो शारिब उनसे पूछते हैं- 'आगे-पीछे कुछ है नहीं क्या?' इस पर असरानी मजेदार अंदाज में जवाब देते हैं, 'पीछे हवलदार है और आगे आप हैं।' उनका यह जवाब सुनकर सीन और भी मजेदार हो जाता है।

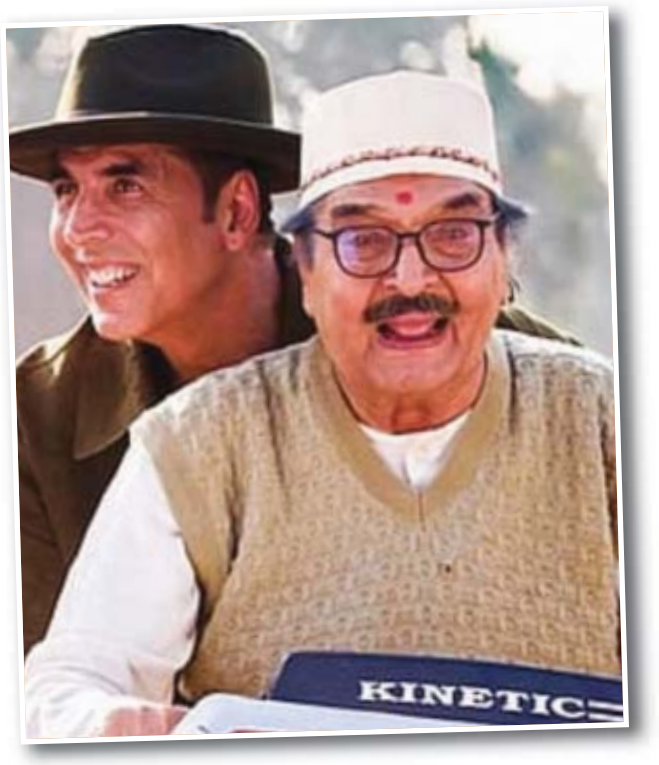

अक्षय ने लिखा भावुक नोट

इस वीडियो को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने असरानी को याद किया और उनके साथ काम करने को अपनी खुशकिस्मती बताया। उन्होंने लिखा कि उन्हें इस महान कलाकार के साथ काम करने और उनका आखिरी शॉट देखने का सौभाग्य मिला।

अक्षय ने लिखा, 'मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे इस लीजेंड के साथ काम करने और 'हैवान' में उनका आखिरी शॉट देखने का मौका मिला। मिस यू असरानी जी... आप जैसा कोई नहीं हो सकता।'

13 साल बाद साथ आएंगे अक्षय और सैफ

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी 'हैवान' की एक और

आसिम रियाज पर क्यों भड़के विशाल आदित्य सिंह? कहा– आर्ट जीरो और बकवास 100 प्रतिशत

आसिम रियाज का विवादों के साथ पुराना रिश्ता है। 'बिग बॉस 13' के पूर्व प्रतिभागी एक बार फिर एक साथी प्रतिभागी के साथ बहस में उलझ गए हैं। यह अभिनेता कोई और नहीं बल्कि विशाल आदित्य सिंह हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर तीखे कमेंट्स किए हैं।

विशाल आदित्य सिंह ने आसिम रियाज को सोशल मीडिया पर जवाब दिया है। इससे पहले मॉडल से रैपर बने आसिम ने अभिनेता मधुरिमा तुली के साथ उनके पुराने रिश्ते और 'बिग बॉस 13' में हुए उनके फ्राइंग पैन वाले झगड़े को लेकर उन पर तंज कसा।

क्या बोले आसिम रियाज?

आसिम ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने विशाल और मधुरिमा वाले झगड़े का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'विशाल नेशनल टीवी पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से पैन की मार खाने से शायद तुम्हें कुछ नुकसान हुआ है। हर जगह मेरा नाम लेना बंद करो। अगर तुम्हें मेरी तवज्जो चाहिए, तो पॉडकास्ट और मीडिया में घटिया हरकतें करने के बजाय मुझे मैसेज करो। चिंता मत करो, मैं तुम्हारे लिए एक मनोचिकित्सक ढूंढने की पूरी कोशिश करूंगा।'

विशाल सिंह ने दिया जवाब

विशाल ने इंस्टाग्राम पर आसिम की पोस्ट का जवाब दिया। आसिम की बिग बॉस पहचान पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने लिखा 'पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी बस यही है आपकी पहचान और यहीं रह जाएंगे आप। तो आसिम भाई कृपया शांत रहो और बोलो 'जय श्री राम'।'

वह यहीं नहीं रुके और संगीत और फिटनेस का भी जिक्र करते हुए आसिम की मानसिक स्थिति पर एक और कटाक्ष किया।

विशाल ने लिखा, 'मनोचिकित्सक' का नंबर याद है तो भेजो। मैं तुम्हें 'सुरेश वाडकर म्यूजिक स्कूल का नंबर भेजता हूं और उसके साथ एक जिम का कूपन भी।'

विशाल ने आसिम के रैप का उड़ाया मजाक

अपना जवाब देते हुए विशाल ने कहा, 'भाई (इंजेक्शन) इससे सिर्फ बॉडी बनती है। 'दिमाग' के लिए भी कुछ देखो।'

अभिनेता एक रैपर के तौर पर आसिम के काम पर भी मजाक उड़ाते हुए लिखा, 'आर्ट(रैप) = 0 परसेंट, बकवास का टैलेंट = 100 परसेंट।'

कहां मिले थे आसिम और विशाल?

विशाल और आसिम दोनों बिग बॉस 13 का हिस्सा थे।

एक समय उनके बीच गहरी दोस्ती देखी गई थी।

विशाल, आसिम की एक्स गर्लफ्रेंड हिमांशी खुराना के भी दोस्त हैं।

आसिम रियाज एक मॉडल और अभिनेता भी हैं।

विशाल आदित्य सिंह 'बिग बॉस 13' के अलावा कई शोज में नजर आ चुके हैं।

अनिल कपूर और अक्षय कुमार पर बोले गजराज राव, कहा– उनसे मिलने के बाद बदल गया नजरिया

अभिनेता गजराज राव हाल ही में एक पॉडकास्ट में पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने एक्टिंग करियर पर बात की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वह अपने अभिनय की कला को किस तरह निखारते हैं?

एक्टर गजराज राव बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकार हैं। गजराज ने बिना किसी मदद के अपनी दम पर एक मुकाम हासिल किया है। मगर एक्टर के हिसाब से वह आज भी खुद को शिष्य ही मानते हैं। पॉडकास्ट 'पहला पहला' में गजराज ने कहा 'एक्टिंग की दुनिया में चाहे कोई कितना भी नाम बना ले फिर भी कुछ ऐसे कलाकार होते हैं, जिन्हें देखकर वह खुद बेहतर करने की कोशिश करते हैं। इसके साथ ही एक्टर ने कुछ एक्टर के नाम भी साझा किये, जिन्हें वह अपनी गुरु मानते हैं।'

जानें कौन हैं गजराज के गुरु?

आगे अपनी बातचीत में गजराज ने कहा, 'हर एक्टर को अपने मेंटर्स तलाशने चाहिए। मेरे कई मेंटर्स हैं, जिनमें दिवगंत अभिनेता इरफान और मनोज बाजपेयी शामिल हैं। मैं इन कलाकारों को देखता हूं और यह समझने की कोशिश करता हूं कि वे किस तरह काम करते हैं और अपने करियर को उन्होंने कैसे आगे बढ़ाया। मेरे लिए किसी बड़े कलाकार से सीखने का मतलब उनकी एक्टिंग के साथ-साथ उनके काम करने के तरीके और रवैये को समझना भी है।'

अनिल और अक्षय पर क्या बोले गजराज?

पॉडकास्ट में आगे गजराज ने अनिल कपूर की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में खुद को जिस तरह बनाए रखा, वह काफी खास है। कई साल के बाद भी वह उसी एनर्जी के साथ काम करने और खुद को एक्टिव रखने की कोशिश करते हैं।' वहीं अक्षय कुमार पर एक्टर ने बोला 'मैंने अक्षय के साथ 'जॉली एलएलबी 3' में काम किया और इस अनुभव के बाद मेरे नजरिए में काफी बदलाव आया। पहले मैं अक्षय के बारे में दूसरों से तरह-तरह की बातें सुना करता था और उन्हीं बातों को सच मान लेता था। हालांकि साथ काम करने के बाद मुझे पता चला कि अक्षय काफी अनुशासित इंसान हैं।'

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com